mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-123 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
05 मई 2026 मगंलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

49 साल में पहली बार देश में लेफ्ट सरकार नहीं, 957 में केरलम में नंबूदरीपाद ने सत्ता दिलवाई; 2026 में केरलम से ही खत्म

बंगाल-असम, पुडुचेरी में भाजपा की जीत

बंगाल जीत पर मोदी बोले- यह कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल

तमिलनाडु में सीएम स्टालिन 8000 वोटों से हारे;विजयन जीते, केरलम में 10 साल बाद कांग्रेस की वापसी

कोलकाता/गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी/चेन्नई (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरलम और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 की वोटों की गिनती हुई। रुझानों में बंगाल में बीजेपी पहली बार सरकार बना रही है। वह 203 सीटों पर आगे चल रही थी। वहीं, टीएमसी को झटका लगा है और उसने 84 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया और डबल डिजिट में सिमटती दिख रही है। असम में भाजपा, तमिलनाडु में डीएमके, केरल में कांग्रेस आगे थी। पश्चिम बंगाल में 293 सीटों के लिए काउंटिंग हो रही है। वहीं असम की 126 सीटों पर एकतरफा मामला देखने को मिल रहा था और यहां भाजपा 99 सीटों पर आगे चल रही थी।

तमिलनाडु में टीवीके विजय ने चौंकाया, 107 सीटों पर बढ़त बनाए हुए थी- तमिलनाडु में एक्टर विजय की पार्टी टीवीके जबरदस्त प्रदर्शन करती नजर आ रही है। उसने सत्ताधारी डीएमके को पछाड़ते हुए 107 सीटों पर बढ़ बनाई हुई है, जबकि डीएमके 71 सीटों पर आगे चल रही थी।

पूरब में सुनामी, दक्षिण में नई आंधी

राज्य				
तमिलनाडु (सीटें: 234 / बहुमत: 118)	टीवीके	द्रमुक+	अन्नाद्रमुक+	अन्य
	109	52	73	00
प. बंगाल (सीटें: 294 / बहुमत: 148)	टीएमसी+	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
	83	205	02	04

असम (सीटें: 126, बहुमत: 64)		केरल (सीटें: 140, बहुमत: 71)		पुडुचेरी (सीटें: 30, बहुमत: 16)	
भाजपा+	102	एलडीएफ	35	भाजपा+	18
कांग्रेस+	21	यूडीएफ	102	कांग्रेस+	06
एआईयूडीएफ	02	भाजपा+	03	टीवीके+	02
अन्य	00	अन्य	00	अन्य	04

असम में फिर हिमंता सरकार

असम में चुनावी माहौल पूरी तरह गरम था। 126 विधानसभा सीटों पर हुए मतदान के बाद अब सभी की नजरें नतीजों पर टिकी हुई थीं। वोटों की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू हो गई थी। दोपहर तक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई थी। इस बार असम में 85.38 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था, जो राज्य के इतिहास में सबसे ज्यादा रहा है। मुख्य मुकाबला मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा और कांग्रेस गठबंधन के बीच था। हिमंता बिस्व सरमा हैट्रिक लगाई। भाजपा यहां एकतरफा जीत की और थी।

बंगाल भाजपा ऑफिस में मछली-चावल का भोज

कोलकाता में बंगाल भाजपा के ऑफिस पर कार्यकर्ताओं को मछली-चावल खिलाया गया। एक कार्यकर्ता ने कहा कि TMC झूठ कहती थी भाजपा सत्ता में आने पर मांस पर रोक लगाएगी।

भाजपा ऑफिस पर झालमुड़ी बांटकर जश्न मनाया

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भाजपा ऑफिस में कार्यकर्ताओं ने झालमुड़ी बांटकर जश्न मनाया। रुझानों में भाजपा बहुमत का आंकड़ा पार कर चुकी है। बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार बनने वाली है।

कोलकाता मे TMC ऑफिस पर सन्नाटा

काउटिंग के बीच कोलकाता में TMC ऑफिस के बाहर सन्नाटा पसरा दिखा। कोई चहल-पहल नहीं दिखी। वहीं भाजपा ऑफिस पर सुबह से जश्न का माहौल दिखा। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, सांसद संजय जायसवाल सहित कई नेता पहुंचे।

सुनेत्रा पवार ने जीत का इतिहास बनाया, 2.18 लाख वोटों से जीतीं

- 5 राज्यों की 7 सीटों पर उपचुनाव, इनमें भाजपा 4, कांग्रेस 1 जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 5 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के नतीजे लगभग आ गए हैं। महाराष्ट्र के बारामती सीट से एनसीपी उम्मीदवार सुनेत्रा पवार ने 2 लाख 18 हजार वोटों के अंतर से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। यह अंतर भारत के इतिहास में अब तक का सबसे ज्यादा है। सुनेत्रा पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी हैं, जिनका 28 जनवरी 2026 को विमान हादसे में निधन हो गया था। बारामती अजित पवार की पारंपरिक सीट रही है। यहां से सुनेत्रा की जीत लगभग तय थी। उनके खिलाफ 22 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे। महाराष्ट्र के राहुरी सीट से भाजपा के अक्षय कार्डिले जीत गए हैं। भाजपा ने गुजरात, नगालैंड और त्रिपुरा की 1-1 सीट भी जीत ली है। कर्नाटक के बागलकोट में कांग्रेस उम्मीदवार जीते हैं। राज्य की दूसरी सीट, दावणगेरे साउथ पर कांग्रेस लगातार बढ़त बनाए हुए है। उपचुनाव वालीं सभी 7 सीटें पूर्व विधायकों की मौत के कारण खाली हुई थीं।

पश्चिम बंगाल में कमल खिल उठा: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत पर खुशी जताई है। पीएम मोदी ने एक्स पर कई पोस्ट किए हैं, जिसमें उन्होंने लिखा- पश्चिम बंगाल में कमल खिल उठा! पश्चिम बंगाल विधानसभा के 2026 के चुनाव हमेशा याद रखे जाएंगे। जनता की शक्ति की जीत हुई है और भाजपा की सुशासन की राजनीति विजयी हुई है। मैं पश्चिम बंगाल के प्रत्येक नागरिक को नमन करता हूं। जनता ने भाजपा को शानदार जनादेश दिया है और मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हमारी पार्टी पश्चिम

बंगाल के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। हम ऐसी सरकार प्रदान करेंगे जो समाज के सभी वर्गों को अवसर और सम्मान सुनिश्चित करे।

पीएम मोदी ने एक दूसरे पोस्ट में लिखा- पश्चिम बंगाल में भाजपा की रिकॉर्ड तोड़ जीत पीढ़ियों से अनगिनत कार्यकर्ताओं के प्रयासों और संघर्षों के बिना संभव नहीं होती। मैं उन सभी को सलाम करता हूं। वर्षों से उन्होंने जमीनी स्तर पर कड़ी मेहनत की है, हर तरह की कठिनाइयों का सामना किया है और हमारे विकास एजेंडे के बारे में बात की है। वे हमारी पार्टी की ताकत हैं।

शाह बोले- टीएमसी के भय पर मोदी के भरोसे की जीत

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुशी जताते हुए एक्स पर कई पोस्ट किए हैं। जिसमें उन्होंने लिखा- बंगाल की जनता को कोटि-कोटि नमन यह प्रचंड जनादेश भय, तुष्टीकरण और घुसपैठियों के संरक्षकों को बंगाल की जनता का करारा जवाब है। यह TMC के 'भय' के ऊपर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 'भरोसे' की जीत है। मेरे जैसे हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए यह गर्व का क्षण है कि गंगोत्री में माँ गंगा के उद्गम से लेकर गंगासागर तक आज हर जगह भाजपा का भगवा ध्वज शान से लहरा रहा है। उन्होंने आगे लिखा- बंगाल में भाजपा को मिली यह ऐतिहासिक जीत हमारे असंख्य कार्यकर्ताओं के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। यह उन परिवारों के धैर्य की जीत है, जिन्होंने हिंसा सहकर भी भगवा ध्वज नहीं छोड़ा। भाजपा की शून्य से आज प्रचंड बहुमत तक पहुँचने की इस कठिन यात्रा में जिन कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी, हिंसा झेली, यातनाएं सहीं और फिर भी विचारधारा के पथ से डिगे नहीं, उन सभी कार्यकर्ताओं और उनके परिजनों को नमन करता हूं।

पश्चिम बंगाल की देवतुल्य जनता का आभार- नितिन नवीन

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक्स पर पोस्ट किया है। पश्चिम बंगाल की देवतुल्य जनता को इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए कोटि-कोटि धन्यवाद, आभार एवं अभिनंदन। चैतन्य महाप्रभु , स्वामी विवेकानंद और हमारे पथप्रदर्शक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी महान विभूतियों की यह पावन धरा अब शांति, समृद्धि और सुशासन के एक नए युग की साकबनेगी। यह विजय पश्चिम बंगाल की अस्मिता, संस्कृति और गौरव की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम 'सोनार बांग्ला' के संकल्प को साकार करने और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्णतः समर्पित हैं। आइए, हम सब मिलकर एक सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध बंगाल का निर्माण करें।

रक्षा मंत्री बोले- डिफेंस की तरह नॉलेज कॉरिडोर तैयार करें

प्रयागराज में राजनाथ सिंह ने कहा- हमें सरप्राइज एलिमेंट पर प्रो-एक्टिव होकर काम करना है

प्रयागराज,एजेंसी। प्रयागराज में सोमवार को उत्तर प्रौद्योगिकी संगोष्ठी (नॉर्थ टेक सिम्पोजियम) 2026 की शुरूआत हो गई। इसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। उन्होंने कहा- डिफेंस कॉरिडोर की तरह नॉलेज कॉरिडोर तैयार करें। उन्होंने कहा-ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया को हमारी ताकत का एहसास हो गया है।

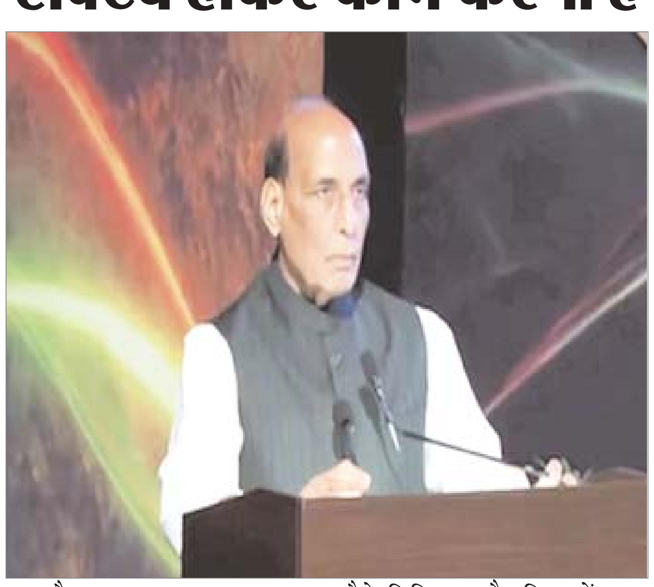

उन्होंने कहा- मैं प्रो-एक्टिव तैयारी की बात कर रहा हूं। वो है सरप्राइज एलीमेंट। हमें ऐसी क्षमताएं भी विकसित करनी है जो जरूरत पड़ने हम ऐसा प्रहार कर सकें जिससे दुश्मन सरप्राइज हो जाए। मुझे पता है कि हमारी सेना इस ओर काम कर रही हैं। अब हमें प्रो-एक्टिव होकर काम करना है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण हमारे सामने है। इस ऑपरेशन के एक साल पूरे हो चुके हैं। जब भी ऑपरेशन सिंदूर की बात आती है तो मुझे अपनी सेनाओं के शौर्य स्वाभाविक रूप से याद आता है।आतंकियों को और उनके सरपरस्तों को जो मुहंतोड़ जवाब हमारे सैनिकों ने दिया उससे पूरे देश का सिर गौरव के साथ ऊंचा हो गया। ये तो अच्छा हुआ कि हमने धैर्य दिखाते हुए केवल आतंकवादियों का सफाया किया। नहीं तो हमारी सेनाएं क्या कुछ करने में सक्षम नहीं हैं। इसका अंदाजा पूरी दुनिया को अब हो चुका है।

रक्षा मंत्री ने कहा- हमें एक्टिव ही नहीं प्रो-एक्टिव रहना है

रक्षा मंत्री ने कहा- साथियों ऑपरेशन सिंदूर अपने आप में टेक्नोलॉजिकल वार फेयर का एक नमूना है। इस ऑपरेशन में आकाश और ब्रह्मोस जैसी मिसाइल के लेटेस्ट सिस्टम को शामिल किया गया।

मैंने हमेशा आर्म फोर्सेस और डिफेंस को बराबर एक बात कही है। हमने सिर्फ एक्टिव नहीं बल्कि प्रो एक्टिव भी रहना है। हर प्रकार की स्थिति के लिए तैयार रहना है। क्योंकि आज के समय कब क्या हो जाए कुछ भी संभावित नहीं है। अन्य क्षेत्रों में जैसे चिकित्सा और शिक्षा में अगर कोई नई टेक्नोलॉजी आती है तो उसे एक-दो साल में भी अपना सकते हैं। जो स्वाभाविक रूप से संभल जाती है।

लेकिन डिफेंस के क्षेत्र में हम सोचेंगे कि एक साल बाद इस नई चुनौती से निपटने का उपाय सोचेंगे। लेकिन ये सोच हमारे लिए यह घातक होगी। एक साल की देरी का मतलब दुश्मन हमारे ऊपर हावी हो जाए। इसलिए मैंने कहा- हमारा रवैय्या रिएक्टिव नहीं प्रो एक्टिव होना चाहिए।हमें उन चीजों के बारे में सोचना है जो कभी अस्तित्व में भी नहीं है।

बिहार- विक्रमशिला पुल का 34 मीटर स्लैब गंगा में गिरा

- 16 जिलों की कनेक्टिविटी प्रभावित; सीएम ने केंद्र से बात की, आर्मी की मदद मांगी

भागलपुर,एजेंसी। बिहार के भागलपुर में 4.7 किमी लंबे विक्रमशिला सेतु का 34 मीटर हिस्सा रविवार देर रात गंगा में गिर गया। राहत की बात रही कि प्रशासन ने पहले ही ट्रैफिक रोक दिया था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस घटना से सीमांचल समेत करीब 16 जिलों की कनेक्टिविटी प्रभावित हुई है और रोजाना करीब 1 लाख लोगों के आवागमन पर असर पड़ा है। पिछले 10 साल में इस पुल की तीन बार मरम्मत हो चुकी है, और हाल ही में मार्च 2026 में भी रिपेयर वर्क हुआ था। पुल यूपी ब्रिज कॉर्पोरेशन ने बनाया था।

लापरवाही को लेकर पथ निर्माण विभाग ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को सस्पेंड किया है। बिहार राज्य पुल निगम लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ चंद्रशेखर ने बताया, 'भागलपुर पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन की सजगता से बड़ी घटना होने से बचा है। अगर समय रहते पुलिस प्रशासन सजग नहीं होती तो कई लोगों की जान माल का नुकसान हो जाता। DPR बनाकर हम लोगों ने मेंटेनेंस के लिए भेजा था।

मुख्यमंत्री जी ने रक्षा मंत्री से बात की है। पुल मरम्मत के काम में आर्मी की मदद की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जी रही है।'

पहले गैप बढ़ा फिर पुल धंसा

बताया जा रहा है कि शाम को पहले 10 इंच का जॉइंट सस्पेंशन धंसा। इसके बाद देर रात एक स्लैब गंगा में समा गया। उस समय पुल पर वाहनों की लंबी कतार लगी थी। हालांकि, पुलिस की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। पुल निगम के अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीमांचल समेत 16 जिलों को भागलपुर से जोड़ता है ये पुल

विक्रमशिला सेतु पर हर दिन करीब एक लाख लोगों की आवाजाही होती है। करीब 50 हजार से अधिक छोटे-बड़े वाहन इस पुल से गुजरते हैं। सीमांचल समेत 16 जिलों को यह सेतु भागलपुर से जोड़ता है। इसका निर्माण तत्कालीन मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के कार्यकाल में कराया गया था।

पुल में लगातार जॉइंट और एक्सपेंशन गैप की समस्या को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। आखिरी बार 2020 में पुल की मरम्मत कराई गई थी।

राजस्थान-बिहार समेत 10 राज्यों में आंधी-बारिश

यूपी के 64 जिलों में आज भी अलर्ट; कश्मीर में लैंडस्लाइड से बारामूला-उरी रोड बंद

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/देहरादून,एजेंसी। राजस्थान, बिहार और उत्तराखंड समेत 10 राज्यों में आंधी-बारिश का दौर जारी है। राजस्थान में रविवार को खराब मौसम के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। दौसा के लालसोट और कोटपूतली-बहरोड़ के नारायणपुर में ओले गिरे।

यूपी में आंधी-बारिश जारी है। आज कानपुर, सुल्तानपुर और बाराबंकी समेत 64 जिलों में आंधी, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। लखनऊ में सुबह-सुबह तेज हवा चल रही है। वहीं पिछले 24 घंटे में जालौन सबसे गर्म शहर रहा। यूपी के सुल्तानपुर में पेड़ की डाल गिरने से एक की मौत हो गई। राजस्थान के दौसा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर और हनुमानगढ़ में आंधी के साथ बारिश हुई। ओले भी गिरे। कई झुग्गी-झोपड़ियां उजड़ गईं। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर पेड़ गिरने से 40 मिनट तक जाम रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के 19 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज और 8 जिलों में यलो अलर्ट है। हरियाणा के सिरसा, भिवानी और महेंद्रगढ़ में रविवार को तेज बारिश के साथ ओले गिरे। उत्तराखंड के भी 11 जिलों में बारिश हुई। नैनीताल, देहरादून और अल्मोड़ा में ओले भी गिरे।जम्मू-कश्मीर के लघामा में लैंडस्लाइड के बाद बारामूला-उरी नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया। ट्रैफिक को उरी की ओर बांदी-परानपिलन-दाची मार्ग से डायवर्ट किया गया है।रविवार को राजस्थान के फलोदी में 44.8एष्ट और महाराष्ट्र के वर्धा में 43.5एष्ट तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आज 13 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, 10 राज्यों में आंधी के साथ बिजली गिरने की आशंका है।

दिल्ली अग्निकांड: धधकते शोले के बीच देवदूत बने पड़ोसी और दमकलकर्मी, जान पर खेलकर बचाई15 लोगों की जान

नई दिल्ली, एजेंसी। धधकती आग और धुएं के गुबार के बीच जब लोग चिखते हुए शोले बने जा रहे हैं तब पड़ोसी व अग्निशमन कर्मी देवदूत बने और अपनी जान पर खेलते हुए 15 लोगों को बचाया। पड़ोसियों ने न सिर्फ गद्दे बिछाकर चार लोगों को कूदने के लिए सुरक्षित स्थान बनाया अग्निशमन कर्मियों द्वारा लाए गए कटर लोहे की मोटी जालियों को काटने में हार गए तो पड़ोसी ने ग्राइंडर और उसका ब्लेड उपलब्ध कराया। बिजली नहीं थी तो उसे चलाने के लिए जेनसेट से बिजली दी। इस बीच बाल्टियों से और पाइपों से खुद से आग बुझाने की कोशिश की। साथ में अग्निशमन कर्मियों ने मोर्चा थामा। इस तरह, कई लोगों की जान बच सकी। जब दिल्ली देर रात नींद के गहरे आगोश में थी, तब विवेक विहार का बी ब्लाक में 13 नंबर की इमारत आग का गोला बनी थी। सबसे पहले पड़ोसी देवदूत बनकर पहुंचे। बी 13 से सटे इमारत में रहते गुरदीप सिंह गिल और जगदीश सिंह गिल देवदूत बनकर सामने आए। जगदीश सिंह गिल वह मंजर याद करते हुए बताते हैं कि उनके फ्लैट के सामने वाली फ्लैट में तेज आग के गोले निकल रहे थे। उसमें नवीन जैन रहते हैं, वह आग से बचते हुए नीचे आ गए थे।

मां ने आग में दम तोड़ दिया : वह लोग भी बचाव के लिए उस बिल्डिंग परिसर में पहुंच गए, जहां नवीन ने बताया कि उनकी दो बेटियां फंसी हैं। बेटियां, दूसरे तल पर बालकनी पर खड़ी थी। वह बचाने के लिए चीख रही थी। उनकी मां ने आग में दम तोड़ दिया था। उन दोनों को पहले खुद से नीचे आने को कहा गया, लेकिन अंदर आग इतनी भीषण थी कि वह आ नहीं सकती थी। ऐसे में गुरदीप अपने घर से गद्दे ले जाए और उसे नीचे लगाया, जहां नवीन की दोनों लड़कियां उस गद्दे पर कूदी और बच गई। उन्हें केवल मामूली चोटे आई। इसी तरह, जब लोहे की मोटी जालियों से बंद इमारत के सेट बैक एरिया को खोलने के लिए जब जालियों को काटने की बात आई तो अग्निशमन कर्मियों की कटर मशीने जवाब दे गई। ऐसे में जगदीश गिल ने पास के इमारत में ही काम करते ठेकेदार से ग्राइंडर और उसका ब्लेड मंगवाया। आग लगने के कारण इमारत की बिजली गुल थी तो ग्राइंडर के लिए पड़ोसी ने सर्विस लेन में रखे अपने जेनसेट से बिजली दी। सरिया से बनी जालियों को काटने में एक ग्राइंडर ब्लेड टूट भी गई तो दूसरा लगाया गया। जालियों में बड़ा सुराख बनाने में करीब 20 मिनट लगे, उसके बाद चार से पांच लोगों को वहां से अग्निशमन कर्मियों ने बचाया।

बगल की इमारत तक पहुंच गई थी आग : आग न सिर्फ बी 13 के फ्लैटों में रहने वाले लोगों को निगल रही थी, बल्कि उसका रौंद्र रूप आस पास की इमारतों में पहुंचने लगा था। बाई ओर की इमारत के फ्लैट के पड़ोसी ने अपनी बालकनी दिखाते हुए बताया कि वहां रखे सारे सामान जल चुके हैं।

ज्वलनशील सामानों से सजावट से आग हुई भयावह : जिन फ्लैटों में आग लगी, उसमें सजावट में बड़ी मात्रा में लकड़ी, प्लास्टिक समेत अन्य सामानों का इस्तेमाल किया गया था। बचाव में जुटे एक कर्मी ने बताया ।

कि डाइंग हाल से लेकर बेडरूम तक में ऐसे ज्वलनशील पदार्थों से निर्माण हुए थे, जिसके चलते आग और भयावह हुई।

बचाव अभियान में ये बनी चुनौतियां

इमारत की सेट बैक एरिया को, जिसे आपदा की स्थिति में बचाव अभियान के लिए खुला छोड़ा जाना चाहिए था। उसे मजबूत सरियो की जाली से छत तक कवर कर दिया गया था। उसमें खिड़की या आपात स्थिति के लिए खुला स्थान नहीं छोड़ा गया था, जिसके चलते लोग चिखते चिल्लाते रहे, पर पड़ोसी व अग्निशमन कर्मी बेबस रहे। ऊपर के फ्लैटों में जाने के लिए सीढ़ी और लिफ्ट बनी है, लेकिन सीढ़ी के सामने भी लोगों ने कारों की पार्किंग की हुई है, जिससे बचाव अभियान व लोगों की निकासी में मुश्किलें आई। सर्विस लेन में अवैध निर्माण है, अधिकतर मकानों में आगे तक घेर कर निर्माण कर लिए हैं। पीछे सर्विस लेन का एक सिरा जो सीधे मुख्य मार्ग पर निकल सकता था। वह सीधे बंद है। उसे घुमावदार बनाया गया है। उसमें भी सभी ने अपने घरों के सामने अवैध निर्माण कर लिए हैं। एक ने तो सर्विस लेन के बीच में जेनसेट रख दिया है, जिससे अग्निशमन की गाड़ियों का जाना संभव नहीं है।

32 वें स्थापना दिवस पर दिल्ली सरकार ने राजधानी में मेट्रो के विस्तार की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के है। इसके अंतर्गत पांच (बी) चरण में सात नए मेट्रो कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसकी कुल लंबाई 97.158 किलोमीटर होगी और 65 नए मेट्रो स्टेशन बनेंगे। निर्माण पर 48, 204.56 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इससे बाहरी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली में मेट्रो कनेक्टिविटी बेहतर होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि चार प्राथमिकता वाले कॉरिडोर को वर्ष 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शेष तीन कॉरिडोरों को बाद में चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने डीएमआरसी के अधिकारियों के अलग-अलग विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1995 में डीएमआरसी की स्थापना के से शुरू हुई मेट्रो की यात्रा आज 416 किलोमीटर लंबे नेटवर्क तक पहुंच चुकी है। वर्तमान में 303 स्टेशनों और 343 ट्रेनों के साथ प्रतिदिन 4,500 से अधिक फेरे संचालित होती है और प्रतिदिन 65 लाख से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय शहरी एवं आवासन राज्य मंत्री तोखन साहू, डीएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारी एवं दिल्ली मेट्रो परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

नोएडा वालों के लिए खुशखबरी, दादरी रेलवे स्टेशन से प्रयागराज के लिए अब सीधी कनेक्टिविटी; ऑनलाइन बुकिंग शुरू

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के यात्रियों को राहत देने के लिए दादरी रेलवे स्टेशन से प्रयागराज के बीच स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू कर दिया गया है। रविवार को इस सेवा की शुरुआत हुई। पहली ट्रेन रात 10:15 बजे दादरी स्टेशन से प्रयागराज के लिए रवाना हुई। रेलवे ने इन स्पेशल ट्रेनों की टिकट बुकिंग ऑनलाइन भी शुरू कर दी है। प्रयागराज से आने वाली ट्रेन भी दादरी तक चलेगी। इससे यात्रियों को दिल्ली रेलवे मंडल पर निर्भरता कम करनी पड़ेगी। दादरी स्टेशन से नोएडा व ग्रेटर नोएडा से इसकी दूरी भी अधिक नहीं है। यह स्टेशन प्रयागराज मंडल के अंतर्गत आता है। यहां से संचालित ट्रेनों का नियंत्रण भी प्रयागराज मंडल द्वारा किया जाएगा। रेलवे ने इस रूट की समय-सारिणी जारी कर दी है और टिकट बुकिंग पोर्टल पर इसकी सुविधा उपलब्ध करा दी गई है।

किस समय पर चलेगी ये ट्रेन : जारी समय-सारिणी के अनुसार, दादरी से चलने वाली स्पेशल ट्रेन (संख्या 0248) रात 10:15 बजे रवाना होकर खुर्जा (10:50 बजे), अलीगढ़ (11:22 बजे), हाथरस (11:47 बजे), टूंडला (12:33 बजे), शिकोहाबाद (1:40 बजे), इटावा (2:27 बजे), फफूंद (3:07 बजे), गोविंदपुरी (5:05 बजे), फतेहपुर (6:02 बजे), सिराथू (7:07 बजे) होते हुए सुबह लगभग 7:15 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। अब तक नोएडा, ग्रेटर नोएडा समेत जनपद के लोगों को अब प्रयागराज समेत अन्य स्थानों के लिए दिल्ली या गाजियाबाद जाना पड़ता था। निवासी लंबे समय से लंबी दूरी की स्पेशन ट्रेनों का ठहराव दादरी में कराने की मांग करते रहे है।

भारत में हो रहा दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग का निर्माण, ऊंचाई 15,800 फीट होगी

1681 करोड़ रुपए होंगे खर्च, अगस्त 2028 तक काम पूरा होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में कई सुरंगे हैं, जो नए रास्तों के लिए बनाई गई हैं। इनमें अटल टनल भी है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया की सबसे ऊंचाई वाली सुरंग भी भारत में बन रही है, जिसका नाम शिंकुन ला टनल है, यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी, जिसका काम जारी है। शिंकुन ला टनल 15,800 फीट की ऊंचाई पर बनने वाली दुनिया की सबसे ऊंची मोटरेबल सुरंग होगी, जिसके अगस्त 2028 के आसपास पूरा होने की उम्मीद है। इसका काम 26 जुलाई 2024 को शुरू हुआ था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिंकुन ला टनल हिमाचल प्रदेश और लद्दाख को जोड़ने वाली टनल होगी। शिंकुन ला सुरंग का निर्माण शिंकुन ला दर्रे के नीचे किया जा रहा है, जो हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की जंस्कार घाटी से जोड़ती है। शिंकुन ला टनल का निर्माण कार्य बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन कर रही है। प्रोजेक्ट योजक के तहत शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य निमू-पदम-दारचा सड़क के रास्ते हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करना है। रिपोर्ट के मुताबिक शिंकुन ला सुरंग में हर 500 मीटर पर क्रॉस-पैसेज हैं। क्रॉस पैसेज एक छोटी, संकरी सुरंग होती है जो दो समानांतर मुख्य सुरंगों को आपस में जोड़ती है। इसे मुख्य रूप से आपातकालीन एग्जिट और रखरखाव के लिए बनाया जाता है। ये सुरंगें आमतौर पर 100 से 500 मीटर की दूरी पर बनाई जाती हैं, ताकि यात्री किसी खतरनाक सुरंग से निकलकर सुरक्षित सुरंग में जा सकें। इस 4.1 किमी की ट्विन-ट्यूब टनल को बनाने के लिए 1681 करोड़ रुपए पास किए गए हैं। काम पूरा हो जाने पर, यह दुनिया की सबसे ऊँची सुरंग होगी। शिंकुन ला सुरंग न केवल देश चीन के बॉर्डर के पास सशस्त्र बलों और उपकरणों की तेज और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करेगी, बल्कि लद्दाख में आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देगी।

दिल्ली कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल 31 सदस्यीय पीएसी का गठन 12 उपाध्यक्ष और 26 महासचिव नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के लिए एक नई पालिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) के गठन और नए उपाध्यक्षों एवं महासचिवों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा रविवार देर रात जारी आदेशों के अनुसार, ये सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। पार्टी ने दिल्ली की राजनीति के लिए 31 सदस्यीय प्रभावशाली 'पालिटिकल अफेयर्स कमेटी' का गठन किया है। इस कमेटी में अनुभवी और युवा नेताओं का तालमेल बिठाया गया है। समिति में काजी निजामुद्दीन, डीपीसीसी अध्यक्ष देवेंद्र यादव, अजय माकन, जे. पी. अग्रवाल और सुभाष चोपड़ा शामिल हैं। अन्य महत्वपूर्ण नामों में अनिल चौधरी, संदीप दीक्षित, अलका लांबा, राजेंद्र पाल गौतम, हारून यूसुफ और कृष्णा तीरथ जैसे दिग्गजों को जगह दी गई है। समिति में अभिषेक दत्त, जितेंद्र बघेल और नाजिया दानिश जैसे युवा नेताओं को भी शामिल किया गया है। संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए वरिष्ठ पदाधिकारियों की टीम उतारी गई है। 12 उपाध्यक्षों में सुरेंद्र कुमार, हरी शंकर गुप्ता, भीष्म शर्मा, आभा चौधरी और अली मेहंदी जैसे नाम प्रमुख हैं।

अब तारामंडल इलाके में वाटर बॉडी पर फर्राटा भरते जाएंगे वाहन

गोरखपुर,एजेंसी। तारामंडल परियोजना की आवासीय कॉलोनियों के निवासियों को सुगम आवागमन के लिए बड़ी सौगात मिलने जा रही है। जीडीए ने 14 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत से तारामंडल क्षेत्र के वसुंधरा एंक्लेव द्वितीय व तृतीय के मध्य स्थित वाटर बॉडी के ऊपर टू लेन के ब्रिज का निर्माण कराया है। यह पुल दो हिस्सों में बंटे तारामंडल क्षेत्र को आपस में जोड़ देगा। इससे लोगों अब नया सवेरा तक जाने की जरूरत नहीं होगी, पुल से ही फर्राटा भरते निकल जाएंगे।

सीएम योगी के हाथों शिलान्यास की प्रमुख परियोजनाएं

एकीकृत मंडलीय कार्यालय का निर्माण, लागत 269.63 करोड़ रुपये।

लच्छीपुर में कुश्मी एवेन्यू अपार्टमेंट का निर्माण, 172.86 करोड़ रुपये।

गोरखपुर-सोनौली मार्ग पर प्रवेश द्वार का निर्माण, लागत 10.11 करोड़ रुपये।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भयानक दृश्य: बस का टायर फटते ही लगी आग

यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

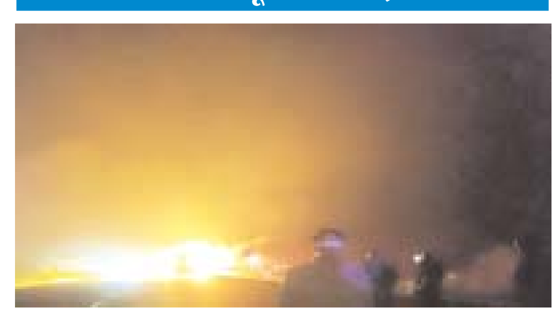

आगरा,एजेंसी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सोमवार तड़के एक बड़ा हादसा टल गया, जब लखनऊ से गुरुग्राम जा रही एक प्राइवेट बस का पिछला टायर फटने से उसमें भीषण आग लग गई। बस में सवार यात्रियों ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली, जबकि देखते ही देखते पूरी बस धू-धू कर जल गई।

पुलिस के मुताबिक मन्नत ट्रेवल्स कंपनी की बस को चालक हरेंद्र वीर सिंह पुत्र गोविंद सिंह, निवासी नगला इमली तहसील खेरागढ़ चला रहा था। बस में कुल 23 यात्री सवार थे। सोमवार सुबह करीब 4 बजे बस एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 15.600 पर पहुंची ही थी कि अचानक बस के पिछले टायर में आग लग गई।स्थिति भांपते हुए चालक ने तुरंत बस को सड़क किनारे पीली पट्टी पर रोक दिया और सभी यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतार दिया। इस दौरान कुछ यात्रियों ने अपना सामान भी बाहर निकाल लिया, लेकिन देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही यूपीडा की टीम व डौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शुरुआती प्रयास में पानी की बोतलों से आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक आग बेकाबू हो चुकी थी। बाद में फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर आग पर काबू पाया, हालांकि तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

तेहरान के 14-सूत्रीय प्रस्ताव पर आया यूएस का जवाब

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुई जंग फिलहाल युद्धविराम की छांव में है। पर्दे के पीछे से अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत के प्रयास किए जा रहे हैं। इस बीच ईरान ने अपने 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव पर अमेरिका से मिले जवाब की समीक्षा शुरू कर दी है। पश्चिम एशिया के संवेदनशील समुद्री क्षेत्र होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमलों की घटनाएं तेज हो गई हैं। सोमवार को ब्रिटिश सैन्य एजेंसी ने जानकारी दी कि कुछ ही घंटों के अंतराल में दो जहाजों को निशाना बनाया गया है, जिससे क्षेत्र में पहले से मौजूद तनाव और बढ़ गया है।

ईरान ने अभी बड़ी कीमत नहीं चुकाई: ट्रंप ने शांति प्रस्ताव ठुकराने के दिए संकेत, पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह ईरान के नए युद्ध खत्म करने वाले प्रस्ताव को शायद स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि ईरान ने अभी तक अपने किए की काफी बड़ी कीमत नहीं चुकाई है, इसलिए यह प्रस्ताव उन्हें संतोषजनक नहीं लगता। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वह जल्द ही ईरान के प्रस्ताव की पूरी जानकारी और शब्दों की समीक्षा करेंगे, लेकिन फिलहाल उन्हें नहीं लगता कि यह योजना स्वीकार की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 47 वर्षों में ईरान की गतिविधियों को देखते हुए उसे और कड़ा जवाब मिलना चाहिए। इससे पहले ट्रंप ने यह भी संकेत दिया था कि अगर हालात बिगड़ते हैं तो अमेरिका दोबारा हवाई हमले शुरू कर सकता है। हालांकि उन्होंने साफ कहा कि वह अभी ऐसा नहीं करना चाहते, लेकिन इसे पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता।

ईरान पर अमेरिका-इस्राइल ने रोके हमले :करीब चार हफ्ते पहले अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर अपने हमले रोक दिए थे, लेकिन इसके बावजूद युद्ध खत्म करने को लेकर कोई ठोस समझौता नहीं हो पाया है। इस युद्ध की वजह से वैश्विक ऊर्जा सप्लाई पर बड़ा असर पड़ा है, बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है और दुनिया में आर्थिक मंदी की आशंका भी गहराई है।

ईरान के प्रस्ताव में क्या :वहीं ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, उनके प्रस्ताव में सबसे पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को सामान्य करने और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को खत्म करने की बात शामिल है। परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत बाद में करने का सुझाव दिया गया है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि ट्रंप इस प्रस्ताव पर अंतिम फैसला क्या लेते हैं।

पूरे पश्चिम एशिया में फैला संघर्ष का असर :28 फरवरी से 27 अप्रैल 2026 के बीच हुए हमलों में सबसे ज्यादा असर ईरान और लेबनान पर देखने को मिला है। ईरान में करीब 3375 लोगों की मौत हुई है और 26500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जबकि लेबनान में 2509 लोगों की जान गई और 7755 लोग घायल हुए। इस्राइल में 26 लोगों की मौत और 7791 लोग घायल हुए हैं। इराक में 118 लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल बताए गए हैं, जबकि सीरिया और फलस्तीन में चार-चार लोगों की मौत दर्ज की गई है। खाड़ी देशों में भी इसका असर दिखा है। जॉर्डन में 29 लोग घायल हुए हैं, कुवैत में सात लोगों की मौत और दर्जनों घायल हुए हैं, जबकि बहरीन में तीन लोगों की मौत और कई लोग घायल हुए। कतर में 20 लोग घायल हुए हैं। संयुक्त अरब अमीरात में 12 लोगों की मौत और 224 लोग घायल हुए हैं, वहीं ओमान में तीन लोगों की मौत और 16 लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब में तीन लोगों की मौत और 29 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा अमेरिकी सेना को भी नुकसान हुआ है।,

इस्राइल-यूएस के बीच बड़ा रक्षा सौदा, अमेरिका से खरीदेगा

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल ने अमेरिका से अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की बड़ी खेप खरीदने को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस्राइल दो नए लड़ाकू स्क्वाड्रन खरीदेगा। यह समझौता लॉकहीड मार्टिन और बोइंग के साथ किया गया है। इस डील की कुल कीमत अरबों डॉलर है। इस्राइल की मंत्रिस्तरीय खरीद समिति ने इस सौदे को हरी झंडी दे दी है। इसके लिए 119 बिलियन डॉलर यानी 11, 900 करोड़ रुपये का फंड तय किया गया है। इसका उद्देश्य इस्राइल के रक्षा बलों को मजबूत करना है। इस्राइल भावी चुनौतियों के लिए पूरी तरह से तैयार रहने की कोशिश में है।अधिकारियों की प्रतिक्रियारक्षा मंत्रालय के महानिदेशक अमीर बरम ने इस डील के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तत्काल युद्धकालीन खरीद जरूरतों के साथ-साथ, हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम 10 साल बाद की सैन्य बढ़त को सुनिश्चित करने के लिए अभी कदम उठाएं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा: बालेन सरकार की आपत्ति को रक्ष्व्र ने किया खारिज, लिपुलेख दर्रे को बताया था नेपाल का हिस्सा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने भारत और चीन द्वारा लिपुलेख दर्रे से आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा आयोजित करने की योजना पर रविवार को आपत्ति जताई है। नेपाल का दावा है कि यह इलाका काठमांडू के अधिकार क्षेत्र में आता है। सरकार ने कहा है कि उसने इस संबंध में अपनी स्थिति भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक माध्यमों से अवगत करा दिया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर नेपाल की यह आपत्ति भारत द्वारा यात्रा के जून और अगस्त के बीच आयोजित होने की घोषणा के कुछ दिनों बाद आई है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ कहा कि इस मामले में भारत का रुख हमेशा से स्पष्ट और एक जैसा रहा है। उन्होंने बताया कि लिपुलेख दर्रा 1954 से कैलाश मानसरोवर यात्रा का पारंपरिक रास्ता रहा है और कई दशकों से इसी मार्ग से यात्रा होती आ रही है, इसलिए इसमें कुछ भी नया नहीं है। उन्होंने नेपाल के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत ऐसे क्षेत्रीय दावों को न तो सही मानता है और न ही ये ऐतिहासिक तथ्यों और सबूतों पर आधारित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एकतरफा तरीके से सीमा का विस्तार दिखाना स्वीकार्य नहीं है। इसके साथ ही भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह नेपाल के साथ सभी मुद्दों पर बातचीत के लिए तैयार है। सीमा से जुड़े लंबित विवादों को भी आपसी संवाद और कूटनीति के जरिए सुलझाने की बात कही गई है।क्या है नेपाली विदेश मंत्रालय का बयान?सरकार की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि विदेश मंत्रालय का ध्यान विभिन्न मीडिया माध्यमों के जरिए उठाए गए उन सवालों की ओर गया है, जो भारत और चीन की भागीदारी से लिपुलेख मार्ग के जरिए प्रस्तावित कैलाश मानसरोवर यात्रा से जुड़े हैं। नेपाल सरकार ने कहा है कि वर्ष 1816 की सुगौली संधि के अनुसार महाकाली नदी के पूर्व में स्थित लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी उसके अभिन्न हिस्से हैं।

लिपुलेख के रास्ते प्रस्तावित इस यात्रा को लेकर नेपाल ने अपनी स्पष्ट स्थिति और चिंताएं भारत और चीन, दोनों को कूटनीतिक माध्यमों से अवगत करा दी हैं।नेपाल सरकार ने भारत से लगातार यह आग्रह किया है कि संबंधित क्षेत्र में सड़क निर्माण या विस्तार, सीमा व्यापार या तीर्थ मार्ग जैसी कोई भी गतिविधि न की जाए। इसके अलावा नेपाल ने चीन को भी आधिकारिक तौर पर यह जानकारी दी है कि लिपुलेख क्षेत्र उसके क्षेत्राधिकार में आता है।

मछुआ चौपाल बना मछुआरों के लिए जानकारी और सशक्तिकरण का मंच

किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत योजनाओं की दी गई जानकारी पंजीयन एवं प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित 'कृषि कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में मछुआरों एवं मत्स्यपालकों को शासकीय योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से मत्स्य विभाग द्वारा जिले में विभिन्न स्थानों पर मछुआ चौपालों का आयोजन किया जा रहा है इन चौपालों का मुख्य उद्देश्य मछुआ समुदाय को आधुनिक तकनीक योजनाओं की जानकारी एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरित करना है। इसी क्रम में 03 मई 2026 को प्रथम सत्र में विकासखंड मझौली के ग्राम पंचायत सहिजनहा में मछुआ चौपाल का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम माँ कालिका महिला मछुआ सहकारी समिति की अध्यक्ष श्यामवती केवट की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नवीन मत्स्यपालकों एवं समिति के सदस्यों को मत्स्य पालन की उन्नत तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभ, पात्रता एवं प्रक्रिया के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मछुआरों एवं मत्स्यपालकों का एनएफडीपी (NFDP) पोर्टल पर पंजीयन भी किया गया जिससे उन्हें भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल पंजीयन से योजनाओं का पारदर्शी एवं त्वरित लाभ सुनिश्चित होगा। द्वितीय सत्र में विकासखंड कुसमी के ग्राम लुरघुटी क्रमांक-02 में भी मछुआ चौपाल आयोजित की गई इस चौपाल में आसपास के अनुसूचित जनजाति वर्ग के निजी मत्स्यपालकों ने भाग लिया उन्हें मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया तथा उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड योजना 10 वर्षीय मत्स्यपालन पट्टा आवंटन, दुर्घटना बीमा योजना सहित विभिन्न लाभकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों का एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीयन भी सुनिश्चित किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि इन चौपालों के माध्यम से मछुआ समुदाय को न केवल योजनाओं की जानकारी मिल रही है बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी प्रोत्साहन मिल रहा है आधुनिक तकनीक और सरकारी सहयोग से मत्स्य उत्पादन में वृद्धि होने के साथ-साथ उनकी आय में भी सुधार होगा यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास और आजीविका सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रशासन द्वारा लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर मछुआ समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में भाजपा की जीत सिंगरौली में जश्न

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। पश्चिम बंगाल समेत देश के कई राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद सिंगरौली जिले में भी उत्साह का माहौल देखा गया। चुनाव परिणाम घोषित होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार जश्न मनाना शुरू कर दिया। जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय विंध्य नगर रोड से लेकर शहर के प्रमुख चौक-चौराहों तक खुशी का माहौल छा गया इस दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह, सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह और देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की पूरे शहर में जय कराम और भारत माता की जय' के नारे गूंज उठे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस जीत को ऐतिहासिक बताया उन्होंने कहा कि यह पार्टी की नीतियों और नेतृत्व पर जनता के विश्वास का परिणाम है इस अवसर पर जगह-जगह आतिशबाजी भी की गई जिससे उत्सव का माहौल और अधिक रंगीन हो गया राज्य मंत्री राधा सिंह ने इस अवसर पर कहा कि यह जीत भाजपा के विकास और विश्वास की जीत है।

किसानों की समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी का ज्ञापन शीघ्र समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी ने आज जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए त्वरित समाधान की मांग की है। पार्टी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो किसानों के हित में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव के मार्गदर्शन में जिला अध्यक्ष अमरेश पटेल के नेतृत्व में कलेक्टर को यह ज्ञापन सौंपा गया इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और प्रशासन का ध्यान वर्तमान स्थिति की ओर आकर्षित किया। ज्ञापन में विशेष रूप से गेहूं के समर्थन मूल्य में वृद्धि की मांग की गई। साथ ही खरीदी केंद्रों पर व्याप्त अव्यवस्थाओं और अनियमितताओं को लेकर गहरी चिंता जताई गई पार्टी नेताओं का कहना है कि किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है इसके अलावा खरीदी केंद्रों पर लंबी कतारें देरी और व्यवस्थाओं की कमी भी किसानों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। पार्टी ने प्रशासन से मांग की है कि किसानों की समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि उन्हें राहत मिल सके नेताओं ने कहा कि वर्तमान समय में किसान कई चुनौतियों से जूझ रहा है और ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करे इस अवसर पर एम.डी. खान, जगदीश सिंह यादव, एडवोकेट अशोक यादव, नत्थूलाल सेन, राजीव विश्वकर्मा, रामकिशोर आदिवासी, अशोक पटेल, सुनीता कोल सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समाजवादी पार्टी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी किसानों के समर्थन में आंदोलन करने को बाध्य होगी जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी जय सिंह पटेल द्वारा दी गई।

09 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

बकाया करों पर 25 से 100 तक छूट का सुनहरा अवसर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा द्वारा नागरिकों को बड़ी राहत देते हुए 09 मई 2026, शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है इस लोक अदालत में वर्ष 2025-26 तक के लंबित संपत्तिकर एवं जलकर के बकाया भुगतान पर अधिभार में 25 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक की विशेष छूट प्रदान की जाएगी। इस संबंध में निगम उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी ने अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक तैयारियों के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि लोक अदालत का आयोजन नगर निगम कार्यालय टाउन हॉल सहित शहर के सभी चारों जोन कार्यालयों में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा जिससे अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा सकें बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बड़े बकायादारों को नोटिस का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया जाए साथ ही घर-घर संपर्क अभियान चलाकर करदाताओं को लोक अदालत में उपस्थित होकर बकाया कर जमा करने के लिए प्रेरित किया जाए उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार संपत्तिकर एवं जलकर की वसूली सुनिश्चित करना सभी संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो करदाता लोक अदालत के माध्यम से अपने बकाया का भुगतान नहीं करेंगे उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी ऐसे मामलों में तालाबंदी एवं कुर्की की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जा सकती है। उपायुक्त ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाते हुए अपने बकाया करों का निपटान करें और अधिभार में दी जा रही छूट का फायदा लें इससे न केवल आर्थिक राहत मिलेगी बल्कि किसी भी प्रकार की वैधानिक कार्रवाई से भी बचा जा सकेगा। बैठक में उपायुक्त एम.एस. सिद्दीकी, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, सहायक राजस्व अधिकारी नीलेश चतुर्वेदी, जलकर प्रभारी अभिमन्यु सिंह सहित राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क किनारे गिरे पेड़ से टकराई बाइक युवक की मौत पेड़ नहीं हटाने पर ग्रामीणों में नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सतोहरी में रविवार रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे गिरे एक पेड़ से टकरा गई जिससे युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया घटना रात करीब 11 बजे हुई। मृतक की पहचान बजरंगढ़ निवासी मनमोहन साहू पिता राम भजन साहू के रूप में हुई है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक तेज रफ्तार में बाइक चला रहा था तभी उसकी बाइक सड़क पर पहले से गिरे पेड़ से जा टकराइ टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की खड़ी चौकी प्रभारी नीरज साकेत ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए रामपुर नैकिन अस्पताल भेज दिया गया है चौकी प्रभारी नीरज साकेत के अनुसार प्रथम दृष्टया हादसा पेड़ से टकराने के कारण हुआ प्रतीत हो रहा है पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। ग्रामीण विनय पांडे ने बताया कि सड़क किनारे यह पेड़ लंबे समय से गिरा हुआ था लेकिन इसे हटाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई थी।

राजयोगिनी बी.के. निर्मला का सफल घुटना प्रत्यारोपण

हिन्दू धर्म परिषद सहित कई संस्थाओं ने की शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से जुड़ी वरिष्ठ समाजसेविका एवं म.प्र. कला-संस्कृति प्रभाग की प्रदेश प्रमुख राजयोगिनी बी.के. निर्मला का घुटनों का सफल ऑपरेशन होने पर शहर में हर्ष का माहौल है जानकारी के अनुसार 11 अप्रैल को माउंट आबू स्थित ग्लोबल हॉस्पिटल में उनके दोनों घुटनों का सफल प्रत्यारोपण किया गया। वर्तमान में वे शांतिधाम रीवा में स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं।

राजयोगिनी बी.के. निर्मला लंबे समय से सामाजिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं उनकी सेवाओं के कारण उन्हें नगर में विशेष सम्मान प्राप्त है उनके सफल ऑपरेशन की जानकारी मिलते ही विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उनसे सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा एवं मार्गदर्शक डॉ. सी.बी. शुक्ला सहित कई गणमान्य नागरिकों ने उनके स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की इसके अलावा डॉ. के.के. परौहा, डॉ. ज्योति सिंह, डी.पी. सिंह परिहार एवं अवधेश श्रीवास्तव ने भी उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की विन्ध्य काव्य साहित्य परिषद कलम परिवार के अध्यक्ष नागेन्द्र मिश्रा मणि, कार्यकारी अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह एवं संरक्षक डॉ. गीता शुक्ला गीत ने भी उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पाण्डेय एवं महासचिव डॉ. संतोष अवधिया, रिदम म्यूजिकल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विनोद तिवारी, उपाध्यक्ष अवनीश शर्मा एवं महासचिव पियूष मिश्रा ने भी उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय मोहन तिवारी, अखण्ड हिन्दू सनातन समिति के अध्यक्ष राजेश शाहनी एवं साईं संस्थान के अध्यक्ष अजय धमीजा सहित अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भी उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना की सभी ने अपने संदेश में कहा कि राजयोगिनी बी.के. निर्मला का जीवन समाज सेवा और आध्यात्मिक उत्थान के लिए समर्पित रहा है तथा उनकी सेवाओं की समाज को निरंतर आवश्यकता है उनके शीघ्र स्वस्थ होकर पुनः सक्रिय होने की कामना के साथ शहरवासियों ने उनके प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त किया।

सिंगरौली में तूफान-बारिश से पेड़ उखड़े देवसर और बैढ़न में भी असर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के देवसर क्षेत्र में दोपहर बाद मौसम ने अचानक करवट बदली तेज तूफान बारिश और ओलावृष्टि के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे टूट गए, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हुई दोपहर करीब 3 बजे शुरू हुए इस मौसमी बदलाव से कई गांवों में तेज हवाओं के साथ ओले गिरे इससे सब्जी की फसलों को नुकसान होने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार दिन में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जो मौसम बदलने के बाद लगभग 28 डिग्री तक गिर गया। तेज हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक आंकी गई। गरज-चमक के साथ हुई बारिश ने गर्मी से राहत तो दी, लेकिन साथ ही व्यापक नुकसान भी पहुंचाया। बैढ़न क्षेत्र में भी इस तूफान का असर देखा गया यहां आसमान में घने बादल छाए रहे और तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई माड़ापरसौना मार्ग पर कई जगह पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा ।

बाल एवं बंधक श्रम के विरुद्ध सख्ती

जागरूकता अभियान निरीक्षण और कड़ी कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में बाल एवं बंधक श्रम के उन्मूलन के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला टास्क फोर्स समिति एवं जिला सतर्कता समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर विकास मिश्रा ने की, जिसमें पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सिंह सोलंकी एवं अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा बंधक श्रम उन्मूलन अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में विशेष अभियान चलाकर बाल श्रम एवं बंधक श्रम के विरुद्ध व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि आमजन को इन कानूनों की जानकारी मिल सके और ऐसे मामलों में कमी लाई जा सके। कलेक्टर ने बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम 1986 (संशोधित 2017) तथा बंधक श्रम अधिनियम 1976 (संशोधित 2021) के प्रावधानों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इनका कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए उन्होंने कहा कि बाल श्रम और बंधक श्रम जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक में आगामी कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई इसके तहत भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों तथा स्कूल छोड़ चुके बच्चों का चिन्हांकन कर उनके पुनर्वास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। साथ ही समिति को प्रत्येक माह नियमित निरीक्षण करने और संभावित स्थलों पर निगरानी बढ़ाने के लिए कहा गया कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जिन स्थानों पर बाल श्रम या बंधक श्रम पाया जाएगा वहां तत्काल सख्त कार्रवाई की जाएगी ।

जनगणना अभियान में कलेक्टर बने वालेंटियर

शीलाबाई कोल के घर पहुंचकर खुद निभाई सहायक की भूमिका, नागरिकों से सहयोग की अपील

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान को लेकर जिले में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा स्वयं मैदान में उतरकर वालेंटियर की भूमिका में नजर आए उन्होंने सीधी शहर के वार्ड क्रमांक 12 में निवासरत शीलाबाई कोल के घर पहुंचकर जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता की और नागरिकों को इसके महत्व से अवगत कराया। कलेक्टर ने मौके पर शीलाबाई कोल एवं उनके परिवार के सदस्यों से संवाद करते हुए जनगणना की प्रक्रिया को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने बताया कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े शासन की योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के समुचित वितरण एवं विकास कार्यों की प्राथमिकता तय करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे जनगणना के दौरान सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं ताकि योजनाओं का लाभ सही पात्रों तक पहुंच सके। इस दौरान प्रगणक राजेश कुमार सोंधिया द्वारा परिवार के सदस्यों से आवश्यक जानकारी एकत्र की गई कलेक्टर ने स्वयं पूरी प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए यह सुनिश्चित किया कि सभी विवरण सही और पारदर्शी तरीके से दर्ज किए जा रहे हैं परिवार के सदस्यों ने भी सहयोगपूर्वक सभी जानकारी साझा की और प्रशासन की इस पहल की सराहना की। कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि जनगणना केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि देश के विकास की आधारशिला है सही आंकड़ों के आधार पर ही सरकार भविष्य की योजनाएं बनाती है इसलिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह इसमें सक्रिय भागीदारी निभाए। यह पहल प्रशासन की संवेदनशीलता और जनसरोकारों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है कलेक्टर का स्वयं मैदान में उतरना आम नागरिकों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है जिससे लोगों में जनगणना को लेकर जागरूकता और विश्वास दोनों बढ़े हैं। इस अवसर पर जनगणना के नोडल अधिकारी राजेश कुमार शुक्ल भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी नागरिकों को जनगणना प्रक्रिया से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी।

परीक्षण की परिधि में विकास

संपादकीय

ढगवार मिल्क प्लांट की संरचना में आया खोट अगर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के पैमाने में, निर्माण के उद्देश्य को भ्रमित और अकुशल पाता है, तो यह निरीक्षण कई संकेत दे रहा है। आश्चर्य यह कि 225 करोड़ की परियोजना में भी काम निपटाने की रूटीन सामने आई और जहां ऑटोमेशन के बजाय अधोसंरचना को घिसी पिटी पुरानी तकनीक के हवाले ही रखा जा रहा था। पल भर के लिए अगर मुख्यमंत्री रुचि न लेते तो निर्माण कार्य और मशीनरी के सही उपयोग में कई दरारें बढ़ती जातीं। बहरहाल मुख्यमंत्री की पैनी और पारखी नजर ने एक गलती को सुधार दिया, अन्यथा विकास की गाथाएं ऐसा ढांचा विकसित नहीं कर पा रहीं, जो कम से कम एक सदी गुजार दें। हिमाचली विकास के मानदंड या तो पूरी तरह तय नहीं होते या उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। टांडा मेडिकल कालेज में करोड़ों व्यय करके 'मदर एंड चाइल्ड केयर सेंटर' आज भी पूर्ण नहीं है, तो इस कोताही के दंश स्पष्ट हैं। ऐसे में क्या मुख्यमंत्री को ही मुआयना करना पड़ेगा या गुणवत्ता के परीक्षण किसी निश्चित परिधि से गुजरेंगे। आम तौर पर ड्राइंग से निर्माण तथा विभिन्न भवनों, संस्थानों या सेवा क्षेत्रों के विस्तार तक आर एंड डी दिखाई ही नहीं देती। स्कूल से कालेज तक इमारतों में अंतर की जरूरत है, लेकिन वर्षों से एक ही ड्राइंग पर सरकारी दारोमदार चला है। सबसे कमजोर पक्ष यह है कि भूमि के इस्तेमाल में किफायती वास्तु शैली का प्रदर्शन नहीं हो रहा। अगर पूछा जाए कि हिमाचल की ऐसी कौनसी दर्जन भर इमारतें हैं, जो अपने डिजाइन, निर्माण और उपयोगिता की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ हैं, तो जवाब में बगलें झांकते मिलेंगे। शहरी जीवन में आ रहे परिवर्तन को देखते हुए विकास योजनाओं को ही देखकर पता चलता है कि सिर्फ फर्ज अदायगी हो रही है।

क्या टीसीपी कानून की शर्तों में हम शहरी ढांचे में परिवर्तन ला सके। कितनी बार उधार की नींव पर खड़े ढांचे को बेकार करेंगे। कांगड़ा के पास मटौर में बतौर पर्यटन मंत्री स्व. जीएस बाली ने एक बैंबू पार्क बनाया, लेकिन लाखों का व्यय अब एक कबाड़ गृह में ऐसे तबदील हुआ कि नशेड़ी वहां अपना दर्द बयां करते हैं। ऐसे कई निर्माण कार्य या तो अधूरे ही रह गए या पूरा होकर भी बेकार हो गए। दरअसल निर्माण की गुणवत्ता और उपयोग की सार्थकता का कोई ऑडिट ही नहीं होता है। मुख्यमंत्री के एक विजिट ने अगर थोड़ा सा ऑडिट किया तो सवा दो सौ करोड़ की लागत से भी कई सुराख निकल आए, तो ऐसे सुराखों की गुंजाइश तो हर छोटे-बड़े कार्य में रहेगी।

पत्रकारिता केवल माइक या कैमरे का खेल नहीं

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो चुका है। स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच दे दिया है। एक ओर यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, वहीं दूसरी ओर यह स्थिति कई गंभीर चुनौतियां भी लेकर आई है। विशेषकर तब, जब कुछ लोग मात्र 100-200 रुपये के माइक और कैमरे के सहारे स्वयं को पत्रकार घोषित कर लेते हैं और बिना किसी जिम्मेदारी के सूचनाएं प्रसारित करने लगते हैं। यह समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि उस सोच की है, जो पत्रकारिता को एक जिम्मेदार सामाजिक दायित्व की बजाय व्यूज और लाइक्स के खेल में बदल देती है। डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता को लोकतांत्रिक बनाया है। अब केवल बड़े मीडिया हाउस ही सूचना के वाहक नहीं रहे, बल्कि आम नागरिक भी घटनाओं को रिकॉर्ड कर समाज के सामने ला सकते हैं। कई बार यही नागरिक पत्रकारिता उन मुद्दों को उजागर करती है, जिन्हें मुख्यधारा का मीडिया नजरअंदाज कर देता है। यह बदलाव लोकतंत्र के लिए शक्ति का स्रोत भी है, क्योंकि इससे आवाजों की विविधता बढ़ती है और सत्ता के हर स्तर पर जवाबदेही की मांग मजबूत होती है। लेकिन यही खुलापन जब बिना जिम्मेदारी के इस्तेमाल होता है, तो यही ताकत कमजोरी में बदल जाती है।

आज सोशल मीडिया पर वायरल होना ही सफलता का पैमाना बन गया है। इस दौड़ में कुछ लोग विवाद, सनसनी और अधूरी जानकारी के सहारे लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश करते हैं। वे जानते हैं कि तीखी भाषा, आरोप और उत्तेजना लोगों का ध्यान खींचती है, इसलिए वे तथ्यों की बजाय भावनाओं को उकसाने पर अधिक जोर देते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि समाज में भ्रम फैलता है और सच-झूठ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। लोग बिना पुष्टि किए ही किसी भी सूचना को सच मान लेते हैं, जिससे अफवाहें तेजी से फैलती हैं और उनका प्रभाव गहरा होता जाता है।

इसका सीधा असर सरकारी संस्थाओं पर भी पड़ता है। सरकारी संस्थाएं किसी भी राष्ट्र की प्रशासनिक रीढ़ होती हैं और उनका उद्देश्य जनसेवा है। यदि उनके बारे में गलत या भ्रामक जानकारी फैलती है, तो जनता का विश्वास कमजोर होता है। यह विश्वास किसी एक खबर से नहीं, बल्कि लगातार फैलती अधूरी या भ्रामक सूचनाओं से धीरे-धीरे क्षीण होता है। परिणामस्वरूप, लोग व्यवस्था पर संदेह करने लगते हैं, जो अनावश्यक टकराव और असंतोष को जन्म दे सकता है। यह भी उतना ही सच है कि सरकारी संस्थाएँ त्रुटिहीन नहीं हैं, लेकिन उनकी कमियों को उजागर करने का तरीका तथ्यपूर्ण और जिम्मेदार होना चाहिए, न कि केवल सनसनी के लिए।

हर छोटे माइक वाले व्यक्ति को नकली पत्रकार कहना भी उतना ही गलत है, जितना हर वायरल खबर को सच मान लेना। पत्रकारिता का मूल्य उपकरणों से नहीं, बल्कि दृष्टिकोण, ईमानदारी और जिम्मेदारी से तय होता है। कई बार छोटे और स्वतंत्र पत्रकार ही जमीनी सच्चाई सामने लाते हैं, जबकि बड़े संस्थान भी कभी-कभी दबावों में चूक कर बैठते हैं। इसलिए समस्या को 'छोटे बनाम बड़े' के रूप में देखने के बजाय 'जिम्मेदार बनाम गैर-जिम्मेदार' के रूप में समझना अधिक उचित है। असली संकट पत्रकारिता के मूल्यों में गिरावट का है, जहाँ नैतिकता और तथ्य-जांच की जगह जल्दबाजी और लोकप्रियता ने ले ली है।

समाधान किसी एक कदम में नहीं छिपा है, यह सामूहिक प्रयास से ही संभव है। सबसे पहले समाज को मीडिया साक्षर बनना होगा, ताकि लोग हर सूचना को बिना जांचे-परखे स्वीकार न करें। उन्हें समझना होगा कि किसी खबर की विश्वसनीयता उसके स्रोत, प्रमाण और संदर्भ से तय होती है, न कि उसके वायरल होने से। साथ ही, फर्जी खबर फैलाने वालों पर सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई भी जरूरी है, ताकि यह स्पष्ट संदेश जाए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और भ्रामक कंटेंट पर नियंत्रण के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करना होगा।

देश के श्रम परिदृश्य में महिलाओं की भूमिका

देश का श्रम परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। इसने पुरुष और स्त्री के दायरे को खत्म कर दिया है। आज भारत की महिला श्रम के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। केंद्र सरकार का कहना है कि भारत के श्रम परिदृश्य में पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की भूमिका में महत्वपूर्ण बदलाव और वृद्धि देखी गई है। अब देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक ढांचे को बदलने वाली भी है।महिला श्रम बल भागीदारी दर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह दर 2017-18 में 23.3 फीसद थी। 2024-25 में बढ़कर यह 41.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है। ग्रामीण भारत में भी बदलाव और वृद्धि हुई है। इस वृद्धि में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका अग्रणी है। कृषि और पशुपालन के साथ-साथ स्वरोजगार में उनकी सक्रियता बढ़ी है। देश में आज भी कामकाजी महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा कृषि (लगभग 60 प्रतिशत से अधिक) और असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत है।

मुकुंद

शहरी क्षेत्रों में महिलाएं आईटी, बैंकिंग, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। महानगरों में नियमित रोजगार के मामले में लैंगिक अंतर काफी कम हुआ है। 'लखपति दीदी' जैसी योजनाओं और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अब सूक्ष्म उद्यमी बन रही हैं। इससे उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ी है।विडंबना यह है कि कार्यबल में शामिल होने के बावजूद महिलाएं घरेलू काम और बच्चों की देखभाल का असंगत बोझ उठाती हैं। समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में महिलाओं को मिलने वाले वेतन में अभी भी अंतर बना हुआ है। खासकर विशेषकर असंगठित क्षेत्रों में यही स्थिति है।

सरकारी कोशिशों के बावजूद वरिष्ठ प्रबंधन और निर्णय लेने वाले पदों (जैसे बोर्ड मेंबर या सीईओ) पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी भी अपेक्षाकृत कम है। सरकारी पहल और भविष्य की राह सरकार ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'मुद्रा योजना' (जिसमें 70 प्रतिशत ऋण महिलाओं को दिए गए) और मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम जैसे कदमों के जरिए महिलाओं को श्रम शक्ति में बनाए रखने का प्रयास किया गया है। विश्व बैंक के अनुसार, महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से भारत की जीडीपी विकास दर में उल्लेखनीय उछाल आ सकता है।

महत्वपूर्ण यह है कि कुछ वक्त पहले तक देश में महिलाओं के ज्यादातर काम अनदेखे ही रहते थे। उनके कामों का ज्यादातर हिस्सा घरों, पारिवारिक उद्यमों और अनौपचारिक भूमिकाओं तक ही सीमित था। इनका आधिकारिक दस्तावेजों में शायद ही कभी जिक्र होता रहा हो। अब स्थिति बदल रही है और महिलाएं देश के श्रम परिदृश्य को नया रूप दे रही है। देश के कार्यबल में बदलाव की कहानी आंकड़ों में भी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण से पता चलता है कि महिला श्रम बल भागीदारी में तेजी से वृद्धि हुई है, जो 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 40 प्रतिशत हो गई है। खुशी की बात है कि इस बदलाव का नेतृत्व ग्रामीण भारत कर रहा है। यही नहीं गांवों और छोटे कस्बों की महिलाएं अब पारंपरिक भूमिकाओं से आगे बढ़कर उद्यमिता की ओर अग्रसर हो रही हैं। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 10 करोड़ से अधिक महिला परिवारों को स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया गया है। वित्तीय समावेशन के मार्ग के रूप में शुरू हुआ यह प्रयास धीरे-धीरे सूक्ष्म उद्यमों के एक नेटवर्क में तब्दील हो गया है। यहां महिलाएं उत्पादन, प्रबंधन और बिक्री कर रही हैं और अक्सर अपने परिवारों में प्राथमिक आय का स्रोत बन रही हैं।

महिला नेतृत्व वाले उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए नए सिरे से शुरू किए गए नीतिगत प्रयासों से इस रफ्तार में और तेजी आई है। लखपति दीदी कार्यक्रम मील का पत्थर साबित हुआ है। यह पहल महिलाओं को अपनी आय को स्थायी रूप से बढ़ाने में सक्षम बनाने पर केंद्रित हैं। इसका मकसद प्रति वर्ष 1 लाख रुपये से अधिक कमाने वाली करोड़ों महिला उद्यमियों का सृजन करना है। ऋण, कौशल और बाजार संपर्कों तक विस्तारित पहुंच के साथ, यह भागीदारी से आय सुरक्षा की ओर एक बदलाव का प्रतीक है, जहां महिलाएं न केवल काम कर रही हैं, बल्कि अधिक मजबूत आजीविका का निर्माण भी कर रही हैं।

यह बदलाव देश के बढ़ती स्टार्टअप व्यवस्था में भी दिखाई देने लगा है। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत देश विश्व के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप हब के रूप में उभरा है। अच्छी बात यह है कि 2.2 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप 23.3 लाख से अधिक रोजगार सृजित कर रहे हैं। इनमें से एक लाख से अधिक स्टार्टअप में कम से कम एक महिला निदेशक हैं। इसके साथ ही स्किल इंडिया मिशन और अन्य सरकारी कौशल विकास कार्यक्रमों जैसी पहलों की मदद से महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों से जुड़े कौशल से लैस किया जा रहा है। उद्योगों पर आधारित कौशल विकास पर यह बढ़ता जोर, रोजगार क्षमता में सुधार करने और अधिक स्थिर और उत्पादक आजीविका की ओर बढ़ने में मददगार साबित हो रहा है। हाल के श्रम सुधारों ने भी इस अंतर को दूर करने का प्रयास किया है। 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करने से नियामक ढांचा सरल हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन सुधारों के कार्यान्वयन का स्वागत करते हुए कहा, ''ये संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी का भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों की मजबूत नींव के रूप में कार्य करेंगी।'' व्यापक स्तर पर पर देखा जाए तो, देश में सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में करीब 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गया है। सुखद यह है कि इस परिदृश्य में महिलाएं न केवल कार्यबल का हिस्सा हैं, बल्कि भविष्य को आकार देने में भी वे केंद्रीय भूमिका निभा रही हैं।

राजस्व न्यायालयों में लाखों वाद निस्तारण को लेकर राजस्थान की पहल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश में राजस्व विवादों से संबंधित लाखों की संख्या में प्रकरण राजस्व न्यायालयों में निस्तारण के अभाव में पेंडिंग पड़े हैं। इनमें से हजारों की संख्या में ऐसे प्रकरण भी मिल जाएंगे जो तीस साल से भी अधिक समय से निर्णय के इंतजार में हैं। राजस्व न्यायालयों में विवाद के ये प्रकरण केवल राजस्व रेकार्ड में संशोधन कर सुधार के हैं क्योंकि मालिकाना हक तय करने के मामले तो सिविल कोर्ट द्वारा निर्णित किये जाते हैं। रेवेन्यू कोर्ट में मुख्यतः म्यूटेशन, भूमि का बंटवारा, जमीन के सीमांकन, भूमि पर अतिक्रमण, दस्तावेजों में सुधार, लगान या इस तरह के विवाद या फिर पट्टेदारी के विवाद से संबंधित विवाद निर्णय के लिए आते हैं। आरसीसीएमएस जैसी कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था होने के बावजूद इसमें कोई खास सुधार नहीं देखा जा रहा है। होता यह है कि इस तरह के विवादों या प्रकरणों के निर्णित होने में भी पीढ़ी दर पीढ़ी निर्णय के लिए तारीख दर तारीख न्यायालयों के चक्कर लगाते रहते हैं। यह अपने आप में गंभीर समस्या है पर इसका निराकरण सरकारों की इच्छा शक्ति और व्यवस्था में सुधार से आसानी से किया जा सकता है।

खास बात यह कि इस तरह के लाखों की संख्या में विवाद निर्णय के अभाव में पेंडिंग पड़े हैं। राजस्थान की सरकार ने लंबित प्रकरणों को लेकर महत्वपूर्ण पहल की है। अब पीठासीन अधिकारियों को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक नियमित सुनवाई करने के साथ ही प्रकरणों के निष्पादन की टाइम लाइन और मॉनेटरिंग व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। यह कोई अकेले राजस्थान का ही मुद्दा नहीं है अपितु सभी राज्यों में इस तरह के विचाराधीन प्रकरणों की संख्या बहुत चिंतनीय स्थिति में है। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है और ऐसे भी उदाहरण देखने को मिलता है कि कई राजस्व न्यायालयों में तो सालभर में एक-एक केस का निस्तारण तक देखने को मिलता है। यह अपने आप में गंभीर होने के साथ कहीं-ना-कहीं हमारी व्यवस्था के लिए भी चुनौती से कम नहीं है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुसार राजस्व न्यायालयों के सुदृढ़ीकरण और लंबित वादों का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। अकेले राजस्थान की ही आंकड़ों में बात की जाए तो इस तरह के 6 लाख 72 हजार वाद रेवेन्यू न्यायालयों में विचाराधीन चल रहे हैं। इनमें से करीब 64 प्रतिशत 4.31 लाख के वाद उपखण्ड अधिकारी के न्यायालयों में निर्णयाधीन है। चिंतनीय यह है कि 6 हजार के करीब वाद तो ऐसे हैं जो 20 से 30 साल के बीच निर्णय के प्रतीक्षा में हैं। राजस्थान के प्रमुख सचिव राजस्व टी. रविकान्त ने इस तरह के प्रकरणों को लेकर गंभीरता दिखाई और रिव्यू के बाद इस तरह की व्यवस्था चाक-चौबंद करने के निर्देश जारी कराने की पहल की है कि राजस्व न्यायालयों में विचाराधीन वादों की समयबद्ध नियमित सुनवाई हो, तारीखों पर तारीखें नहीं दी जाएं और पक्ष-प्रतिपक्ष को समुचित अवसर देते हुए वादों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाएं। प्रमुख सचिव राजस्व राजस्थान टी. रविकान्त ने व्यवस्था में सुधार और संवेदनशील प्रशासन का परिचय देते हुए मुख्य सचिव राजस्थान वी. श्रीनिवास ने परिपत्र जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। यह कोई राजस्थान की नहीं अपितु इस तरह की पहल की सभी राज्य सरकारों द्वारा किये जाने की आवश्यकता है।

राजस्व न्यायालयों में विचाराधीन वादों के निस्तारण में मुख्यतः तीन कारण सामने आते हैं। इनमें भी सबसे प्रमुख कारण संबंधित पटवारी, गिरदावर, तहसीलदार द्वारा मौका रिपोर्ट सालों तक प्रस्तुत नहीं करना देखा गया है। एक अन्य कारण राजस्व न्यायालयों से जुड़े कार्मिकों को न्यायिक प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक हो जाता है। आवश्यक न्यायिक प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में भी देरी होती है। इसके अलावा एक अन्य कारण जो कि सर्वविदित है और वह है न्यायालय के नोटिस का तामील नहीं होना भी है। तामीली के अभाव में समय अधिक लग जाता है। इसके अलावा तारीख-पर-तारीख और लंबी तारीख देने की परपंरा भी वादों के निस्तारण की बड़ी बाधा है।

राजस्थान का संदर्भ इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि इन कारणों को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किये गये हैं। अब राजस्व पीठासीन अधिकारियों को कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक आवश्यक रुप से न्यायालय आयोजित करेंगे। इसमें किसी तरह का अवरोध ना हो इसके लिए यह भी निर्देशित किया गया है कि आवश्यक कार्यो से आयोजित होने वाली वर्चुअल बैठकें वीसी आदि 2 बजे बाद ही आयोजित की जाएगी। यह अपने आप में महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल मानी जानी चाहिए। इसके साथ ही मॉनेटरिंग व्यवस्था को चाक-चौबंद करते हुए संभाग स्तरीय स्थाई एरियर रिव्यू कमेटी का गठन, रिव्यू हेतु 100-100 प्रकरण तय कर विभिन्न स्तर पर निस्तारण प्रगति रिव्यू आदि तय किया गया है।

संभागीय आयुक्त से लेकर जिला कलक्टर आदि द्वारा मासिक बैठकों व दौरों के दौरान समीक्षा की व्यवस्था की गई है। पटवारी, गिरदावर या तहसीलदार द्वारा तीन अवसर देने पर भी मौका रिपोर्ट नहीं भेजने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित करने जैसी व्यवस्था की गई है। इसी तरह से तामील व्यवस्था में एक समय बाद समाचार पत्र में प्रकाशन तक का विकल्प दिया गया है। 15 दिन से अधिक की तारीख भी नहीं देने को कहा गया है। निश्चित रुप से यह व्यवस्था इस तरह के वादों के निस्तारण में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सफल हो सकती है। राजस्थान सरकार की सकारात्मक पहल अन्य राज्यों के लिए भी सुधारात्मक पहल हो सकती है। इससे जहां लाखों की संख्या में राजस्व न्यायालयों में निर्णय की प्रतीक्षा के वादों के निस्तारण की राह प्रशस्त हो सकेगी वहीं अनावश्यक विवादों का निस्तारण होने से ग्रामीण माहौल में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। अनावश्यक विवाद समाप्त होंगे और एक संवेदनशील प्रशासनिक व्यवस्था का संदेश जाएगा। हो सकता है कि अन्य प्रदेशों द्वारा भी इस दिशा में पहल की जा रही हो तो इस तरह की पहल को अपनाने में किसी तरह का संकोच नहीं किया जाना चाहिए ताकि लाखों की संख्या में इस तरह के विवादों के निस्तारण की पहल सही दिशा में सही कदम हो सके।

भारत: एकात्म चिंतन की जन्मभूमि

हम सब सोचते हैं। अनेक प्रश्न उठते हैं। प्रश्न स्वयं को जानने का भी है। संसार और स्वयं का बोध जरूरी है। प्रश्न बड़ा है- कैसे जानें इस असीम संसार को। समझ छोटी अति अल्प और संसार बड़ा। प्रश्न और भी हैं। जैसे सृष्टि क्या है? सृष्टि का कोई निर्माता भी है क्या? यह सृष्टि नहीं थी तो क्या था? जो था वह क्या था? क्या शून्य था? क्या सृष्टि ऊर्जा का खेल है? पृथ्वी जल, अग्नि और आकाश प्रत्यक्ष है। इनका सारभूत क्या हैं? सूर्य चन्द्र और तारागण कहां से प्रकाश पाते हैं? सृष्टि निर्माण का आदि तत्व क्या है? कोई परमतत्व है क्या? क्या एक तत्व से ही यह सृष्टि बनी? या सबका साझा प्रयास यह सृष्टि है? सृष्टि और हमारे सम्बंध क्या हैं? आदि।

हृदयनारायण दीक्षित

आखिरकार अस्तित्व को कैसे जाने? कैसे शांत करें जिज्ञासा को? कठिनाई दूसरी भी है- जितना देखते हैं, उतने का सार तत्व कैसे ग्रहण करें? हमारी जीवन दृष्टि क्या हो? इंटरनेट ने लाखों-करोड़ों सूचनाएं भर दी हैं। किसे छोड़ें? किसे पढ़ें? क्या शास्त्र पढ़ें? पढ़ें तो विवेचन विश्लेषण कैसे करें? जानने के लिए सोचना जरूरी है और सोचने के पहले ठीक से देखना भी। देखने की एक दृष्टि वैदिक पूर्वजों ने दी है। बाद के इतिहास और दर्शन में प्रायः उसी विवेक को आधार बनाया गया है। इस समझ को प्राप्त करने का दुनिया का सबसे पुराना ग्रंथ है ऋग्वेद। भारत के लोगों ने ऋग्वेद की रचना के पहले ही वैज्ञानिक चिन्तन प्रारम्भ कर दिया था। ऋग्वेद में इसी सोच-विचार के दर्शन हैं। चिंतन की यह दृष्टि निर्णयात्मक नहीं है। दर्शन और विज्ञान निर्णयात्मक नहीं होते। जहां तक जान लिया, वहीं रूक जाना उचित नहीं होता।

सामान्य धारणा है कि विश्व किसी शक्ति द्वारा बनाया गया है। सृष्टि निर्माण 'विश्वकर्म' है। सृष्टि निर्माता को विश्वकर्मा कहा गया है। ऋग्वेद के एक दार्शनिक सूक्त (10.81) के देवता विश्वकर्मा हैं। ऋषि पूछते हैं 'सृष्टि निर्माण के पहले वे कहां पर बैठे?' प्रश्न उचित है। जब पृथ्वी, आकाश आदि थे ही नहीं तो विश्वकर्मा ने कहां बैठकर यह सृजन कर्म पूरा किया? पूछते हैं कि 'सृष्टि निर्माण का मूल द्रव्य क्या था? वह वन, वृक्ष कौन-सा था?

जिससे विश्वकर्मा ने सामग्री ली और विराट विश्व बनाया? यह सब मनीषी लोग जानने का प्रयास करें।' स्तुति है कि 'वे विश्वकर्मा मित्र भाव से हमें ज्ञान दें।'

ऋग्वेद के एक ऋषि देवताओं के भी पहले का विचार करते हैं कि 'देवताओं के पहले युग समय में असत् से सत् का जन्म हुआ।' (10.72) यह युग विचारणीय है। तब देवता भी नहीं हैं लेकिन 'समय' है। ऋग्वेद में सत् का अर्थ व्यक्त है और असत् का अव्यक्त। नासदीय सूक्त (10.129) में प्रकृति सृष्टि के सम्बंध में और भी गहन चिन्तन हैं 'तब न सत् था और न असत। आकाश से परे भी कुछ नहीं था-नो व्योमा परो यत। अंधकार था।' यहां अंधकार प्रकाश का अभाव नहीं है। अंधकार का अस्तित्व है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण अस्तित्व 'वह एक' था। ऋषि के अनुसार वह एक-तत् एकं अपनी शक्ति के दम पर वायुहीन दशा में भी प्राण ले रहा था। ऋग्वेद का 'वह एक' सृष्टि के पहले भी है। उस समय जल भी है-अप्रकेत सलिलं। फिर काम उत्पन्न हुआ। इसके बाद प्रकाश की दीप्ति चारों ओर फैल गयी। फिर विसृष्टि हुई।' फिर कहते हैं 'क्या पता ऊंचे आकाशें में बैठा सृष्टि का अध्यक्ष सृष्टि रचना की बात जानता है? या वह भी न जानता? यह विवरण रोमांचक है। यहां शुद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया है।

क्या अंधकार होता है? या प्रकाश के अभाव का नाम ही अंधकार है। अंधकार सृष्टि के पूर्व भी है। संभवतः आकाश या प्रकाश का सूक्ष्म रूप। 'वह एक' बिना वायु ही प्राण ले रहा था। क्या प्राण का विकास वायु हो सकती है। काम का जन्म भी सृष्टि के साथ हुआ। यह ताप या अग्नि ऊर्जा का सूक्ष्म रूप हो सकता है। सबसे अंत में है-विसृष्टि। विसृष्टि-सृष्टि है, इसमें पृथ्वी भी है। भारतीय चिंतन में आकाश सूक्ष्मतम है। आकाश से वायु, वायु के बाद अग्नि, इसके बाद जल और फिर पृथ्वी। सृष्टि का विकास किसी एक तत्व से हुआ है। यहां आकाश प्रमुख तत्व है। कपिल के सांख्य दर्शन में आकाश प्राचीनतम है। भारतीय चिन्तन के पांच महाभूतों में से प्रथम।

भारतीय दर्शन में असीम आकाश का गुण शब्द है। आकाश का अस्तित्व है। छान्दोग्य उपनिषद् के अनुसार 'सभी भूत आकाश से पैदा होते हैं और आकाश में ही विलीन हो जाते हैं।' आकाश से आना और आकाश में ही लौटना विचारणीय है। ऋग्वेद में ठीक ही आकाश पिता है। ऋग्वेद के पुरूष सूक्त में 'पुरूष' का वर्णन है। यह 'पुरूष' देश-काल की सीमा का अतिक्रमण करता है। उसका सिर आकाश है और सहस्त्रशीर्षा है। इस पुरूष के प्राण का विस्तार वायु है। पुरूष समूचे अस्तित्व को घेरता है। दश अंगुल इसके बाहर भी हैं। संपूर्ण संसार इसका एक चरण है। इसके तीन चरण अन्य लोकों में हैं। यहां जो कुछ चेतन या अचेतन मनुष्य, पशु, कीट, पतिंग, नदी, समुद्र या वन है। पुरूष सब में व्याप्त है। यहां तक हुआ दिक् या दिशा का अतिक्रमण। अब काल। बताते हैं कि यह पुरूष ही सब कुछ है-पुरूष एवेदं सर्व। जो भूतकाल में हो गया है और जो आगे भविष्य में होगा वह सब पुरूष ही है-यद् भूतं यच्च भव्यं।

ऋग्वेद के एक देवता हैं अदिति। अदिति भी सर्वस्व धारण करते हैं। वह अंतरिक्ष है, पृथ्वी हैं। पिता-माता और पुत्र हैं। वे पांच जन हैं। अब तक जो हो चुका है और जो भविष्य में होगा वह सब अदिति ही हैं। समूचे अस्तित्व को एक देखना और स्वयं को उसी का भाग जानना भारतीय चिंतन की मूल भूमि है। यहां अस्तित्व या सृष्टि का कोई निर्माता नहीं। प्रकृति के गोचर प्रपंच गतिशील हैं। सम्यक गति से प्रगति होती है। प्रकृति का वैज्ञानिक अध्ययन भी मूलतः गति का ही अध्ययन है। प्राचीन यूनानी दार्शनिक थेल्स (लगभग 500 ई0पूर्व) जल को सृष्टि का आदि तत्व मानते थे। इसके हजारों वर्ष पहले ऋग्वेद के नासदीय सूक्त में 'अप्रकेत सलिल '-जल है। जल से सृष्टि का जन्म हुआ तो जल को माता कहना ही चाहिए।

ऋग्वेद में जल को 'बहुवचन रूप में आपः मातरम्-जल माताएं कहा गया है। स्थावर जंगम को जन्म देने वाली यही जल माताएं ही हैं।' थेल्स जल सम्बंधी चिन्तन ऋग्वेद के संगत है। वैसे ऋग्वेद में अनेक विचार हैं। एक यूनानी दार्शनिक अनक्सिमेनेस 'वायु' को सृष्टि का मूल तत्व बताते थे। ऋग्वेद (10.168) में ऋतावा-नियम वायु है। यहां वायु जलों के मित्र कहे गये हैं-अपां सखा। ऋग्वेद के जल और वायु आदि तत्व इसी रूप में उपनिषदों में भी हैं। हिराक्लिटस अग्नि को प्रधान तत्व जानते थे। अग्नि ऋग्वेद के प्रधान देवता हैं। अग्नि सब जगह हैं। वे जलों में हैं। मनुष्य के भीतर हैं। यत्र-तत्र सर्वत्र हैं। कठोपनिषद् में यम ने नचिकेता को अग्नि विज्ञान समझाया था।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध शराब के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

उज्जैन एवं इंदौर में 1 करोड़ 5 लाख रुपये से अधिक की शराब बियर व वाहन जब्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध शराब के निर्माण परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है इसी क्रम में उज्जैन एवं इंदौर जिलों में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए लगभग 1 करोड़ 5 लाख रुपये से अधिक मूल्य की अवैध शराब बीयर एवं वाहनों को जब्त किया है पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध कारोबार में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार उज्जैन जिले के नानाखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत निनोरा टोल प्लाजा के पास पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर एक संदिग्ध ट्रक को रोका तलाशी लेने पर ट्रक में भारी मात्रा में अवैध बीयर पाई गई जांच में सामने आया कि ट्रक में 900 पेटी यानी 21,600 केन बीयर कुल 10,800 बल्क लीटर अवैध रूप से परिवहन की जा रही थी जब्त की गई बीयर की अनुमानित कीमत लगभग 45 लाख रुपये बताई गई है पुलिस ने इस अवैध परिवहन में प्रयुक्त ट्रक को भी जब्त कर लिया है जिसकी कीमत करीब 55 लाख रुपये आंकी गई है।

इस प्रकार उज्जैन में कुल मिलाकर 1 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह अवैध शराब कहां से लाई जा रही थी और किस स्थान पर खपाई जानी थी।

वहीं दूसरी ओर इंदौर जिले में भी पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए वाहन चेकिंग के दौरान एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया नियमित चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रोका और उसकी तलाशी ली तलाशी में कार से 43 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई जब्त शराब की अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपये बताई गई है पुलिस ने कार को भी कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है और इसमें शामिल आरोपियों की तलाश जारी है। मध्यप्रदेश पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और अवैध गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है।

कि यदि उन्हें अवैध शराब मादक पदार्थों या अन्य आपराधिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें जनता के सहयोग से ही इस प्रकार के अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है प्रदेश में चल रही इस मुहिम को कानून व्यवस्था बनाए रखने और समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संजय कॉलोनी में 15 दिन से पानी बंद लोगों ने सड़क जाम की

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है सिंध जलावर्धन योजना से पानी की आपूर्ति ठप होने के कारण लोगों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है इसी समस्या से परेशान फिजिकल क्षेत्र की संजय कॉलोनी के निवासियों ने सोमवार को फिजिकल सम्पमेल पर मुख्य मार्ग जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

आक्रोशित निवासियों का कहना है कि पिछले 15 दिनों से उनके घरों में नल से पानी नहीं आ रहा है मजदूर वर्ग के परिवार टैंकर से पानी खरीदने में असमर्थ हैं जिसके कारण उन्हें मजदूरी छोड़कर पानी का इंतजाम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है जानकारी के अनुसार सिंध जलावर्धन योजना के तहत शहर में जल आपूर्ति 24 अप्रैल से बंद है फिल्टर प्लांट की तीन में से दो मोटरें खराब होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है नगर पालिका द्वारा मोटरों की मरम्मत का कार्य जारी है। जाम के दौरान स्थिति उस समय बिगड़ गई जब भुवनेश भार्गव नामक एक युवक ने तीन पहिया लोडिंग वाहन को रोकने का प्रयास किया वाहन में सवार लोगों ने उसके साथ मारपीट की और मौके से फरार हो गए इस घटना में भुवनेश के माथे पर चोट आई और खून बहने लगा। जाम की सूचना मिलते ही फिजिकल थाना प्रभारी कृपाल सिंह राठौड़ मौके पर पहुंचे उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाकर करीब एक घंटे बाद जाम खुलवाया इस दौरान नगर पालिका के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया गया। नगर पालिका के ईई सचिन चौहान ने मौके पर पहुंचकर आश्वासन दिया कि संजय कॉलोनी में पानी के टैंकर भेजे जा रहे हैं उन्होंने बताया कि फिलहाल शहर में 60 टैंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति की जा रही है जिनकी संख्या बढ़ाई जा रही है साथ ही फिल्टर प्लांट की मोटरों की मरम्मत तेजी से जारी है और मंगलवार शाम तक आपूर्ति बहाल होने की उम्मीद है।

श्रीराम-केयर अस्पताल में कांस्टेबल की मौत की होगी मजिस्ट्रियल जांच

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। श्रीराम केयर अस्पताल में कॉन्स्टेबल की मौत की अब मजिस्ट्रियल जांच होगी परिजनों के विरोध-प्रदर्शन और हंगामे के बाद जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है सिम्स के चार डॉक्टरों की टीम ने शव का पोस्टमार्टम किया है, जिसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई है। अब प्रशासन के साथ ही परिजन को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है हालांकि इस मामले में परिजनों का कहना है कि पथरी के इलाज में लापरवाही हुई है जबकि अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि कॉन्स्टेबल की मौत की लापरवाही से नहीं हार्ट अटैक से हुई है। दरअसल मस्तूरी थाना क्षेत्र के ग्राम एरमशाही निवासी सत्यकुमार पाटले (36) पुलिस विभाग में आरक्षक थे। उनकी पोस्टिंग सरकंडा थाने में थी। 26 अप्रैल को उनके पेट में अचानक असहनीय दर्द हुआ जिसके बाद वे इलाज के लिए नेहरू नगर स्थित श्रीराम केयर अस्पताल पहुंचे परिजनों का आरोप है कि श्रीराम केयर अस्पताल में बिना चीरा लगाए सत्यकुमार का ऑपरेशन किया गया था ऑपरेशन के अगले दिन तक वह बिल्कुल ठीक था लेकिन अचानक शाम को उसकी तबीयत बिगड़ गई आरोप है कि करीब 4 घंटे तक कोई विशेषज्ञ डॉक्टर उसे देखने नहीं आया समय पर इलाज न मिलने के कारण उसकी हालत गंभीर हो गई और शुक्रवार दोपहर उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया जिससे तनाव की स्थिति बन गई हालात को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल और अधिकारी मौके पर पहुंचे वहीं अस्पताल संचालक डॉ. अमित सोनी ने मरीज की मौत हार्ट अटैक से होने का दावा किया। जांच के बाद डॉक्टरों ने कॉन्स्टेबल को पथरी की समस्या बताई और ऑपरेशन कराने की सलाह दी इस दौरान परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर पर लापरवाही बतरने का आरोप लगाया उनका कहना था कि समय रहते उसे दूसरे अस्पताल में शिफ्ट कर देते तो उसकी जान नहीं जाती वहीं पुलिस अफसरों ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया तब जाकर परिजन शांत हुए। फिर भी परिजन अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे शनिवार को आरक्षक की मौत को संदेहास्पद बताते हुए परिजन ने न्याय की मांग करते हु हास्पिटल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे इस दौरान प्रशासन ने पहले जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम कराने की बात कही लेकिन वहां चार डाक्टरों की टीम गठित न हो पाने के कारण पेंच फंस गया। इसके बाद में सिम्स में चर्चा के बाद अधीक्षक लखन सिंह ने चार सदस्यीय विशेषज्ञ टीम गठित की वहीं आरक्षक की मौत किन कारणों से हुई चिकित्सकों की लापरवाही या गलत दवा देने से तो कही आरक्षक की मौत हो नहीं हुई। इसकी जांच के लिए जिला प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए शाम करीब 5 बजे चार डॉक्टरों की टीम ने आरक्षक के शव का पोस्टमार्टम किया।

श्योपुर पुलिस की बड़ी सफलता

नवजात बच्ची की खरीद-फरोख्त के नेटवर्क का पर्दाफाश 6 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने मानव तस्करी और बाल अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। श्योपुर पुलिस ने नवजात बच्ची की अवैध खरीद-फरोख्त से जुड़े एक संगठित रैकेट का पर्दाफाश करते हुए अब तक 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि एक महिला आरोपी अभी फरार है जिसकी तलाश जारी है। यह मामला 18 अप्रैल 2026 को सामने आया जब थाना मानपुर क्षेत्र में नेशनल हाईवे-552 पर सोईकलां के पास दांतरदा बैरियर के निकट लगभग 2 वर्षीय एक मासूम बालिका लावारिस हालत में मिली बालिका के संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू की प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई गई कि बच्ची को जानबूझकर वहां छोड़ा गया था पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। वाहन मूवमेंट, मोबाइल कॉल रिकॉर्ड और स्थानीय सूचनाओं के विश्लेषण से चौंकाने वाले तथ्य सामने आए जांच में पता चला कि बालिका को वर्ष 2024 में जन्म के कुछ ही दिनों बाद उसकी जैविक मां से अलग कर दिया गया था और अवैध रूप से विभिन्न लोगों के माध्यम से उसे एक से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचाया गया जांच के दौरान सामने आया कि धार और खरगोन की दो महिलाओं के माध्यम से बालिका को इंदौर की एक महिला तक पहुंचाया गया इसके बाद उसे एक दंपती को करीब 1 लाख रुपये में सौंप दिया गया यह दंपती करीब दो वर्षों तक बच्ची को अपने पास रखता रहा लेकिन बाद में उसे श्योपुर क्षेत्र में सुनसान स्थान पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने इस पूरे मामले में सक्रिय नेटवर्क का खुलासा करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है इनमें बच्ची को खरीदने वाला दंपती सौदे के मध्यस्थ और अन्य सहयोगी शामिल हैं फरार महिला आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने बच्ची की वास्तविक पहचान स्थापित करने के लिए डीएनए परीक्षण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

शासकीय भूमि से हटा अवैध कब्जा शासन ने 30 से अधिक झोपड़ियां और पक्का निर्माण तोड़ा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। देहात थाना क्षेत्र में सोमवार को प्रशासन ने शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई की माधव राव सिंधिया खेल परिसर की पार्किंग के पीछे अमन गार्डन के पास से करीब 30 झोपड़ियों को हटाया गया यह कार्रवाई तहसीलदार सिद्धार्थ शर्मा और सीएमओ इशांक धाकड़ की मौजूदगी में जेसीबी की मदद से की गई। प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में बाहरी लोगों द्वारा सुनियोजित तरीके से झोपड़ियां बनाकर कब्जा किया जा रहा था धीरे-धीरे यहां लगभग 30 परिवार बस गए थे हल्का पटवारी द्वारा सूचना दिए जाने के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर यह कार्रवाई की।

जिले में SIS ग्रुप द्वारा पंजीयन शिविर का आयोजन, युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण के बाद स्थायी रोजगार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। SIS (इंडिया) लिमिटेड द्वारा जिले में सुरक्षा सेवाओं में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु पंजीयन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर जनपद पंचायत व आईटीआई परिसरों में आयोजित होंगे। कमांडेंट, क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र परसवार, अनूपपुर के निर्देशानुसार यह पहल उन युवाओं के लिए सुनहरा अवसर प्रदान करेगी जो सुरक्षा क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर स्थायी रोजगार पाना चाहते हैं।

इस भर्ती प्रक्रिया के तहत जिले के तीनों विकासखंडों में सुरक्षा जवान एवं सुपरवाइजर के पदों पर नियुक्ति की जाएगी। यह शिविर युवाओं को सुरक्षा सेवाओं के क्षेत्र में प्रशिक्षित कर, उन्हें SIS ग्रुप में रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। शिविर का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक किया जाएगा जिसमें युवाओं का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के बाद उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा और सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्हें स्थायी रोजगार का अवसर मिलेगा। इस पहल के माध्यम से जिले के युवाओं को सुरक्षा क्षेत्र में स्थायी रोजगार मिलेगा और उन्हें विभिन्न प्रशिक्षणों का लाभ भी मिलेगा पंजीयन प्रक्रिया में अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को शिविर आयोजन में सहयोग देने के निर्देश दिए गए हैं।

SIS ग्रुप के इस कदम से जिले में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी यह कदम जिले के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है जो युवाओं को एक बेहतर भविष्य की ओर मार्गदर्शन करेगा।

शिविर की तिथियाँ और स्थानः 18 और 19 मई 2026 – जनपद पंचायत भरतपुर

20 और 21 मई 2026– जनपद पंचायत खड़गवां

22 मई 2026 – जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़

25 मई 2026 – आईटीआई जनकपुर

27 मई 2026 – आईटीआई चिरमिरी

27 मई 2026 – आईटीआई मनेन्द्रगढ़

शिवपुरी में स्वच्छता अभियान, पॉलिथीन जब्त ठेले हटाए गए लापरवाही करने पर दरोगा की सैलरी काटी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में बढ़ती गंदगी और अव्यवस्था पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर नगर पालिका ने एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया इस दौरान न केवल व्यापक सफाई की गई बल्कि नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई भी की गई जिसमें प्रतिबंधित पॉलिथीन जब्त करना और एक लापरवाह दरोगा का वेतन काटना शामिल है। नगर पालिका द्वारा यह अभियान शुरू किया गया जिसका नेतृत्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) इशांक धाकड़ ने किया। सुबह 7 बजे से माधव चौक से फिजिकल क्षेत्र तक व्यापक सफाई और निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान माधव चौक स्थित दुकानों पर प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलिथीन के उपयोग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें जब्त किया गया। जिन दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों के सामने गंदगी फैलाई थी उन्हें सख्त चेतावनी दी गई और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

पहली का छात्र फर्राटे से देता है PSC लेवल के आंसर छत्तीसगढ़ का गूगल बॉय

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के रहने वाले कक्षा पहली के छात्र रुद्र शर्मा फर्राटे से UPSC-PSC लेवल के सवालों का जवाब देते हैं। महज 6 साल की उम्र में अपनी गजब की याददाश्त और जनरल नॉलेज के कारण वे इन दिनों चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। हाल ही में राज्यपाल रमेन डेका ने रुद्र की प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें राजभवन में सम्मानित किया रुद्र की खास बात यह है कि वे खुद सामने से कठिन सवाल पूछने की चुनौती देते हैं ताकि सीखने-सिखाने का सिलसिला जारी रहे इसी असाधारण बुद्धिमानी की वजह से उन्हें छत्तीसगढ़ का गूगल बॉय कहा जाने लगा है। डिजिटल से खास बातचीत में

रुद्र ने आरंग के नामकरण का इतिहास भारत के रहस्यमयी मंदिरों की जानकारी और देश के सभी प्रधानमंत्रियों के नाम बड़ी सहजता से गिना दिए भविष्य में कलेक्टर बनने का सपना देखने वाले रुद्र खेल-खेल में और गीतों के जरिए बड़ी-बड़ी जानकारियां याद कर लेते हैं। रुद्र कक्षा पहली का छात्र है लेकिन उसकी जानकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के स्तर की है। छत्तीसगढ़, इतिहास, पौराणिक कथाओं और देश-दुनिया से जुड़े विषयों पर उसकी मजबूत पकड़ है राज्यपाल रमेन डेका से मुलाकात के दौरान उसने बिना झिझक हर सवाल का सटीक जवाब दिया जिससे सभी लोग प्रभावित हुए। रुद्र को न केवल प्रदेश, बल्कि पूरे देश के इतिहास की भी अच्छी जानकारी है। रुद्र को किताबें और अखबार पढ़ने की खास आदत है वह नियमित रूप से कई तरह की किताबें और न्यूज पेपर पढ़ते हैं पढ़ाई को लेकर उनका तरीका भी अलग और दिलचस्प है उन्होंने छत्तीसगढ़ के 11 वन्य अभयारण्यों के नाम एक गीत के जरिए याद किए हैं।

संवाद से संपूर्ण समाधान बना जनआस्था का केंद्र

बड़वाही शिविर में उमड़ा जनसैलाब 422 आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासन की महत्वाकांकपहल सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर के ग्राम बड़वाही में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर संवाद से संपूर्ण समाधान जनआस्था का केंद्र बनकर उभरा 19 ग्राम पंचायतों–देवगढ़, मेंहदौली, बेला, उदकी, माड़ीसरई, हरचौका, चिड़ौला, कर्री, जनुवां, बेलगांव, चरखर, पुंजी, सिंगरौली, डोम्हरा, लरकोड़ा, डोंगरीटोला, नौढ़िया एवं हरइ को समाहित करते हुए आयोजित इस शिविर में भारी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति देखने को मिली लोगों को मौके पर ही समस्याओं का समाधान मिलने से शिविर में उत्साह और विश्वास का माहौल बना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह एवं जनपद उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया शुभारंभ के साथ ही शिविर स्थल पर सकारात्मक ऊर्जा और जनसहभागिता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला दूर-दराज के ग्रामीण सुबह से ही अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे जिससे इस पहल के प्रति बढ़ते जनविश्वास का स्पष्ट संकेत मिला। 1 मई से 10 जून 2026 तक प्रदेशभर में संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण एवं शासन की योजनाओं का सीधा लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है। बड़वाही शिविर इस उद्देश्य की सशक्त मिसाल बनकर सामने आया जहां 'समाधान आपके द्वार' की अवधारणा साकार होती नजर आई। शिविर में अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ एसडीएम भरतपुर शशिशेखर मिश्रा, जनपद पंचायत सीईओ अजय सिंह राठौर, एसडीओ लक्ष्मीनारायण, जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मीरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी ने यह स्पष्ट किया कि प्रशासन आमजन की समस्याओं के समाधान के प्रति

खंभे पर करंट से दो भाई की मौत 3 दिन से बंद बिजली से थे परेशान

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। इंदार थाना क्षेत्र के अम्हारा गांव में बिजली लाइन जोड़ते समय बड़ा हादसा हो गया खंभे पर चढ़े दो चचेरे भाइयों को करंट लगने से वे नीचे गिर पड़े हादसे में रविंद्र यादव की मौत हो गई जबकि राजपाल यादव गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे ग्वालियर रेफर किया गया है जानकारी के अनुसार गांव में पिछले तीन दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित थी इससे परेशान ग्रामीणों ने लाइन दुरुस्त कराने की कोशिश की परिजनों का आरोप है कि लाइनमैन अरविंद कुशवाह ने मौके पर आने के बजाय परमिट दिलवाने की बात कही और परमिट मिलने के बाद खुद लाइन जोड़ने के लिए कहा। बताया गया कि लाइनमैन और माढ़ा फीडर के ऑपरेटर ने परमिट मिलने की सूचना दी जिसके बाद दोनों भाई खंभे पर चढ़े। लाइन जोड़ते समय अचानक बिजली सप्लाई चालू हो गई जिससे तेज करंट लगने पर दोनों भाई खंभे से नीचे गिर गए घटना के बाद परिजन उन्हें तत्काल निजी अस्पताल लेकर पहुंचे अस्पताल में डॉक्टरों ने रविंद्र यादव को मृत घोषित कर दिया जबकि गंभीर रूप से घायल राजपाल यादव को बेहतर इलाज के लिए ग्वालियर रेफर किया गया है पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मर्ग कायम कर लिया है मामले में लापरवाही के पहलू सहित हर एंगल से जांच की जा रही है।

गर में नाबालिग के गले में लगा फंदा, मौत

देवरी में पेड़ पर रस्सी बांधकर झूल रहा था झूला, इकलौता बेटा था

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में देवरी के झुन्नकू वार्ड में 13 वर्षीय नाबालिग झूला झूलते समय हादसे का शिकार हो गया। गले में फंदा लगने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा बनाया है। जानकारी के अनुसार, झुनकू वार्ड निवासी 13 वर्षीय देवांश उर्फ देव यादव रविवार को अपने घर के बाजू में लगे पीपल के पेड़ की डाली पर रस्सी बांधकर झूला झूल रहा था। इसी दौरान रस्सी गले में फंस गई। जिससे वह बेहोश हो गया। घटना देख परिजन तत्काल उसे समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले पहुंचे। जहां डॉक्टर ने चेकअप के बाद देव को मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। परिचितों ने बताया कि मृतक देव के पिता का भी कुछ साल पहले निधन हो गया था। वह अपनी मां का अकेला सहारा था। देवरी में पेड़ पर रस्सी बांधकर झूल रहा था झूला, इकलौता बेटा था

बस के सामने आने से बाइक अनियंत्रित, दो घायल

एक की हालत गंभीर, मुंडन से लौटने के दौरान मंदसौर-सीतामऊ रोड पर हादसा

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर(निप्र)। मंदसौर जिले के चिरमोलिया के नजदीक रविवार रात एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो लोग घायल हो गए। बस के सामने अचानक आने से बाइक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत डायल 112 को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार राधेश्याम (45) पिता रमेश चंद्रवंशी और श्यामलाल (35) पिता रामचंद्र चंद्रवंशी मोटरसाइकिल से मंदसौर के सिंदपन से खजूरी देवड़ा गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान मंदसौर-सीतामऊ रोड पर चिरमोलिया के पास एक बस सामने आ गई, जिससे बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों सवार गिर पड़े।

पहले सीतामऊ, फिर जिला अस्पताल रेफर: हादसे में श्यामलाल को सिर, मुंह, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि राधेश्याम के सिर, दोनों हाथ और पैरों में चोट लगी है। दोनों को पहले सीतामऊ अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया। फिलहाल दोनों का उपचार जारी है।

मुंडन कार्यक्रम से लौटते वक्त हुआ हादसा: बताया जा रहा है कि दोनों व्यक्ति मंदसौर के पास स्थित सिंदपन गांव में एक मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने आए थे और रविवार रात वापस अपने गांव खजूरी देवड़ा लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया। दोनों घायल रतलाम जिले के आलोट थाना क्षेत्र के खजूरी देवड़ा गांव के निवासी हैं। हादसे में श्यामलाल की हालत ज्यादा गंभीर बताई जा रही है।

अधिकारियों ने किया उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कलेक्टर कबालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले के सभी उपार्जन केंद्रों पर उपार्जन कार्य के सुचारू संचालन के लिए अधिकारियों द्वारा उपार्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में राजस्व एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों ने श्यामपुर स्थित पवनपुंज वेयर हाउस, चरनाल स्थित मारुतिनंदन वेयरहाउस, महोड़िया स्थित ओम वेयरहाउस, कान्याखेड़ी स्थित पटेल वेयरहाउस, खजूरिया कला स्थित सीताराम वेयरहाउस, मानपुरा स्थित ककृष्णा वेयरहाउस, संग्रामपुर वेयरहाउस, पीलूखेड़ी स्थित गायत्री वेयरहाउस और टकीपुर स्थित वेयरहाउस सहित अनेक उपार्जन केंद्रो का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने केंद्रों पर किसानों के लिए उपलब्ध आवश्यक सुविधाओं जैसे पेयजल, शेड एवं अन्य व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की और निर्देश दिए कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही केन्द्रों पर प्रतीक्षारत किसानों की तौल प्रक्रिया को तेज करने के लिए उपार्जन संस्थाओं को टोकन जारी करने तथा तौल कांटों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

बढ़ते तापमान के दृष्टिगत लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बढ़ते हुए तापमान से स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रवभावों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि इस संबंध में जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों को सतत निगरानी एवं उपचार के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य कर्मियों का उन्मुखीकरण भी किया जा रहा हैं। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के अधिकारियों को आने वाले मरीजो की लू के लक्षणों की जांच करने, उचित प्रबंधन करने, ठंडे पेयजल की व्यवस्था करने तथा वार्ड में शीतलता के लिए पंखों की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि तेज धूप एवं ज्यादा देर तक रहना लू लगने का प्रमुख कारण होता है। इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे इलेक्ट्रोराइड का असंतुलन हो जाता हैं। उन्होंने बताया की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में एक हीट स्ट्रोक मैनेजमेंट यूनिट बनाई जा रही हैं एवं गर्मी से संबंधित बीमारी से बचाव के लिए आवश्यक दवाइयां संस्थाओं में उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कार्नर बनाए जा रहे हैं। संवेदनशील समूहों जैसे गर्भवती महिला, बच्चों एवं वृद्धजनों के लिए भी अस्पतालों में पर्याप्त व्यवस्थाओं के निर्देश जारी किये गए है।

खरगोन में युवक की हत्या, भतीजा और महिला मित्र गिरफ्तार

डुडगांव का मामला; अपमान से तंग आकर गला दबाकर की थी हत्या, जेल भेजा

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के डुडगांव में खेत में मिले ओमप्रकाश कैथवास के शव का मामला हत्या का निकला है। पुलिस ने 10 दिन बाद रविवार को मामले का खुलासा करते हुए मृतक की महिला मित्र और भतीजे को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि बार-बार अपमानित करने से तंग आकर दोनों ने मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

बेड़िया थाना प्रभारी रामेश्वर ठाकुर ने बताया कि 22 अप्रैल को खेत में शव से दुर्गंध आने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान ओमप्रकाश कैथवास के रूप में की। एफएसएल, फिंगरप्रिंट

टीम, साइबर सेल और डॉग स्क्वॉड ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या की पुष्टि: पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि ओमप्रकाश की मौत गला दबने से सांस रुकने के कारण हुई है। इसके बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि ओमप्रकाश खेत में बने मकान में अकेला रहता था। कुछ दिन पहले उसका भतीजे रोहित लक्ष्मण कैथवास से विवाद हुआ था। साथ ही गांव की महिला सरोज से उसके संबंधों को लेकर भी विवाद चल रहा था।

अपमान से तंग आकर रची साजिश: पुलिस के मुताबिक, ओमप्रकाश शराब का आदी था और महिला के साथ अपने संबंधों को लेकर उसकी बदनामी कर रहा था। घटना से दो दिन पहले उसने नशे की हालत में रोहित को अपमानित किया था, जिससे रंजिश बढ़ गई। 20 अप्रैल को रोहित और सरोज ने मिलकर ओमप्रकाश का गला दबाकर हत्या कर दी। शव को दो दिन तक घर में रखने के बाद दुर्गंध आने पर उसे घर के पीछे अरबी के खेत में फेंक दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर रविवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पन्ना में ट्रक ने ऑटो को टक्कर मारी दमोह के एक शख्स की मौत

9 लोग घायल; खाई में गिरा वाहन

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना-अमानगंज सड़क पर रविवार, 3 मई को ग्राम तारा के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दमोह के रहने वाले एक शख्स की मौत हो गई, जबकि एक ही परिवार के 9 लोग घायल हो गए हैं। दो घायलों की हालत काफी नाजुक बताई जा रही है। हादसे का शिकार हुआ परिवार दमोह और सिमरिया इलाके का रहने वाला है। ये लोग ऑटो से बरबसपुरा में अपने एक बीमार रिश्तेदार का हालचाल जानने गए थे। वहां से लौटते समय तारा गांव के पास सामने से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने ऑटो को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरा।

ग्रामीणों ने की मदद, ड्राइवर हुआ फरार: हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मदद के लिए दौड़े और खाई में गिरे ऑटो से घायलों को बाहर निकाला।

वहीं, मौका पाकर ट्रक चालक वाहन समेत वहां से भागने में कामयाब रहा।

अस्पताल में इलाज जारी: सभी घायलों को तुरंत अमानगंज के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल लोगों को पन्ना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां घायलों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने फरार ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

बैतूल में कार पर पलटा आम से भरा ट्रक

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल में भोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे-47 पर सोमवार दोपहर सारणी के पास बरेठा तिराहे पर आम से भरा एक ट्रक अचानक एक कार पर पलट गया। इस घटना में कार सवार दो लोग बाल-बाल बच गए और उन्हें मामूली चोटें आई। पुलिस को दोपहर सूचना मिली कि बरेठा घाट के पास एक ट्रक कार पर पलट गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां ट्रक क्रमांक स्ा 40 ष्ट्ड्ड 7999 कार क्रमांक स्ा 49 ष्ठ्ठ 6354 के ऊपर पलटा हुआ मिला। कार में नागपुर निवासी विकास मेसराम और शुभम मेसराम फंसे थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया।

ओवरटेक करते समय हादसा: एएसआई भीकम सिंह राज ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब इटारसी की ओर

जा रही कार के ड्राइवर ने सामने से आ रहे वाहन को ओवरटेक करने के लिए ब्रेक लगाया। इसी दौरान पीछे से ढलान पर आ रहा आम से भरा ट्रक असंतुलित हो गया। ट्रक ड्राइवर ने कार को बचाने के लिए वाहन मोड़ा और ब्रेक लगाया, लेकिन नियंत्रण खो दिया और ट्रक कार पर ही पलट गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जल्द ही सुचारू करा दिया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंदसौर में 27 किलो एसिटिक एनहाइड्राइड जब्त

चेकिंग में नाबालिग पकड़ा गया, मुख्य आरोपी फरार रतलाम कनेक्शन सामने आया

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले की भावगढ़ थाना पुलिस ने मादक पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाले 27 किलोग्राम एसिटिक एनहाइड्राइड केमिकल को जब्त किया है। यह कार्रवाई रविवार को वाहन चेकिंग के दौरान की गई। पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग को हिरासत में लिया है, जबकि मुख्य आरोपी मौके से फरार हो गया। भावगढ़ पुलिस निम्बोद-बेहपुर रोड स्थित चांदाखेड़ी फंटा पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान निम्बोद की ओर से आ रही एक बाइक पर दो युवक एक कैन लेकर आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे।

बाइक चला रहा नाबालिग हत्थे चढ़ा: पुलिस टीम ने घेराबंदी कर बाइक को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान पीछे

बैठा युवक मौके से फरार हो गया, जबकि बाइक चला रहा नाबालिग पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पकड़े गए नाबालिग ने पूछताछ में बताया कि जब्त किया गया एसिटिक एनहाइड्राइड केमिकल रतलाम जिले के रणायरा निवासी युवराज सिंह राजपूत के लिए ले जाया जा रहा था। युवराज सिंह इस केमिकल का उपयोग बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ बनाने में करता है।

फरार आरोपी की तलाश की जा रही: पुलिस ने नाबालिग के कब्जे से 27 किलोग्राम एसिटिक एनहाइड्राइड, जिसकी अनुमानित कीमत 60 हजार रुपए है, और एक बाइक, जिसकी कीमत लगभग 50 हजार रुपए है, जब्त की है। नाबालिग को विधि विरुद्ध बालक के रूप में अभिरक्षा में लिया गया है। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। फरार आरोपी युवराज सिंह की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस इस मामले से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करेगी।

खंडवा में ट्रेन के सामने कूदकर युवक का सुसाइड

शराब की लत थी, लिवर डैमेज हुआ तो डिप्रेशन में आया; 2 बच्चों के सिर से उठा साया

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा में एक 26 वर्षीय युवक ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना नागचून रोड स्थित सनावद ट्रैक की है, जहां सोमवार सुबह ग्रामीणों ने उसका शव देखा। मृतक की पहचान नागचून गांव निवासी अक्षय (पिता कैलाश कनाड़े) के रूप में हुई है। वह रविवार रात से लापता था। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

परिजनों के अनुसार अक्षय लंबे समय से बीमार था और इसी कारण वह डिप्रेशन का शिकार हो गया था। उसे शराब

पीने की गंभीर लत थी, जिससे उसका लिवर पूरी तरह डैमेज हो चुका था। तनाव के कारण वह अक्सर अपने दोस्तों से आत्महत्या कर लेने की बात कहता था।

डॉक्टरों की चेतावनी के बाद भी नहीं छोड़ी शराब: इलाज के दौरान डॉक्टरों ने अक्षय को शराब छोड़ने और करीब एक साल तक बेड रेस्ट करने की सख्त हिदायत दी थी। इसके बावजूद उसने शराब पीना नहीं छोड़ा। रविवार रात घर से लापता होने के बाद ग्रामीण और परिजन रातभर उसे कुएं और खेतों में तलाशते रहे, लेकिन अगले दिन रेलवे ट्रैक पर उसकी लाश मिली।

दो साल से बड़े भाई उठा रहे थे परिवार का खर्च: अक्षय के तीन भाई हैं। उसके पिता खंडवा नगर निगम में कर्मचारी थे, जिनके निधन के बाद बड़े भाई को अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। परिवार के अन्य सदस्य मजदूरी करते हैं। अक्षय पिछले दो साल से काम पर नहीं जा रहा था, इसलिए उसका बड़ा भाई ही उसके परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। अक्षय की शादी को 7-8 साल हुए थे और उसके दो छोटे बेटे (6 और 3 साल) हैं।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच: मोघट रोड थाना टीआई धीरेश धारवाल ने बताया कि सोमवार सुबह 8 बजे पुलिस को रेलवे ट्रैक पर लाश मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोपहर 1 बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक जांच में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

शादी से लौट रहे तीन युवक बाइक हादसे में गंभीर

मीडिया ऑडीटर,देवास (निप्र)। देवास में रविवार देर रात सिया क्षेत्र के पास एक सड़क हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल से इंदौर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, घायल युवकों की पहचान देवेंद्र, राहुल और अजय के रूप में हुई है। ये तीनों तराना में एक दोस्त की शादी में शामिल होने के बाद देर रात अपनी बाइक से देवास के पास स्थित अपने गांव पुवाल्डा लौट रहे थे। सिया के पास उनकी बाइक अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे की परिस्थितियों का कारण

फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें इंदौर रेफर कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन भी रात में अस्पताल पहुंच गए और घायलों को आगे के इलाज के लिए इंदौर लेकर रवाना हुए।

खंडवा में शिकंजी पी रहे युवकों को कार ने रौंदा

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा शहर से सटे ग्राम जसवाड़ी में रविवार शाम तेज रफ्तार कार ने हाईवे किनारे शिकंजी पी रहे चार लोगों को रौंद दिया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा शाम करीब 6 बजे खंडवा-अमरावती स्टेट हाईवे पर हुआ। जानकारी के अनुसार, कार सवार खंडवा से सिंगोट की ओर जा रहा था। तेज रफ्तार में कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे शिकंजी के ठेले के पास खड़े चार लोगों को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि सभी युवक पास के गांवों के रहने वाले थे और अपनी बाइक खड़ी कर ठेले पर शिकंजी पी रहे थे। इसी दौरान कार ने उन्हें चपेट में ले लिया।

22 वर्षीय युवक की

मौत, तीन घायल: हादसे में 22 वर्षीय श्याम पिता अमन तंवर निवासी जसवाड़ी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीन अन्य घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। रामनगर चौकी प्रभारी नंदराम वासुरे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। हादसे में कार, शिकंजी का ठेला और दो मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हुई हैं। कार चालक मौके से फरार हो गया है। वाहन और चालक की पहचान के लिए पुलिस जांच कर रही है।

बुरहानपुर स्टेशन पर यात्रियों को गर्मी में राहत की पहल

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर रेलवे स्टेशन पर विप्र नारी शक्ति सेवा संस्था ने भीषण गर्मी में यात्रा कर रहे ट्रेन यात्रियों को राहत प्रदान की। संस्था ने रविवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक अप और डाउन की छह ट्रेनों के जनरल कोच में यात्रियों को ठंडे पानी के साथ छांछ के पाउच वितरित किए। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरी दिनेश शर्मा ने बताया कि विप्र नारियों ने भीषण गर्मी से जूझ रहे यात्रियों को राहत देने के उद्देश्य से यह सेवा कार्य किया। उन्होंने कहा कि संस्था ने मंगलवार को भी स्टेशन पर जल वितरण करने का निर्णय लिया है। इस सेवा कार्य के दौरान संस्था की पायल अवस्थी, आशा तिवारी, अमिता शुक्ला, शैली पवित्रे, वीणा सांगलीकर, समता बोहरा, अनामिका बारोले, संध्या भाले, सरोज रावल, प्रतिभा शुक्ला, मृदुला पाठक, मोहिनी शुक्ला, प्रियंका शर्मा, जयकतिवारी और वैष्णवी तिवारी सहित कई सदस्य

राहतगढ़ में किराना दुकान में आग,सामान जलकर खाक

रात में दुकान से उठता धुआं देख मचा हड़कंप, फायर ब्रिगेड ने एक घंटे में पाया काबू

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। राहतगढ़ में देर रात एक किराना दुकान में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। बंद दुकान से धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने तुरंत दुकानदार और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी में दुकान में रखा किराना सामान और फर्नीचर जलकर खाक हो गया। जानकारी के मुताबिक, ग्राम मीरखेड़ी निवासी राजकुमार कुर्मी राहतगढ़ में किराना दुकान संचालित करते हैं। रोज की तरह वे रात करीब 9 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। देर रात करीब 1 बजे स्थानीय लोगों ने दुकान से धुआं उठता देखा, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने तुरंत दुकानदार राजकुमार को सूचना दी। जब तक वे मौके पर पहुंचे, तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था।

ग्रामीणों ने बुझाने की कोशिश, फिर बुलाई फायर ब्रिगेड: आग की लपटें देख ग्रामीणों ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी में दुकान में रखा किराना सामान, स्टेशनरी, फ्रिज, कूलर, टीवी, कैमरा, डेयरी उत्पाद और अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री सहित पूरा फर्नीचर जलकर राख हो गया। दुकानदार राजकुमार ने बताया कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया है और नुकसान का आकलन कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। राहत की बात यह रही कि उस समय तेज हवा नहीं चल रही थी, वरना आग आसपास के मकानों तक भी फैल सकती थी।

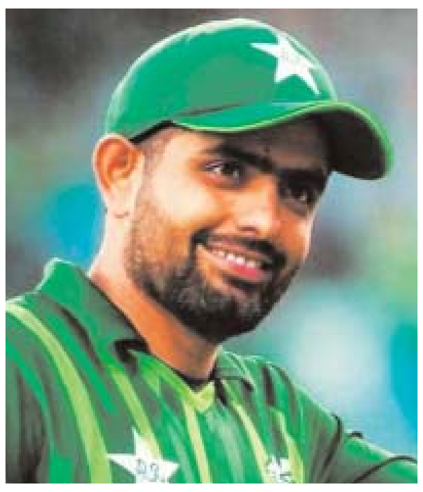

बाबर की पेशावार जल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन को हराकर दूसरी बार पीएसएल खिताब जीता

लाहौर ,एजेंसी। बाबर आजम की टीम पेशावर जल्मी ने यहां गद्दाफी स्टेडियम में खेले पीएसएल के फाइनल मुकाबले में हैदराबाद किंग्समेन को पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया है। जल्मी टीम ने इसी के साथ ही दूसरी बार पीएसएल जीता है। साल 2017 में टीम ने पहली बार ट्रॉफी जीत थी। बाबर पहले भी दो बार पीएसएल विजेता टीम में रहे हैं पर कप्तान के तौर पर ये उनकी पहली जीत रही है। बाबर की टीम ने फाइनल में आरोन हार्डी की किंग्समेन को हरा दिया। किंग्समेन की टीम 18 ओवर में 129 रन ही बना पायी। साइम अयूब ने 54 रन बनाये पर उन्हें किसी का साथ नहीं मिला।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पेशासर की टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। उसने 40 रन पर 4 विकेट खो दिये। आजम पहली ही गेंद पर आउट हो गये। इसके बाद मोहम्मद हारिस, कुसल मेंडिस और माइकल ब्रेसवेल के विकेट भी गिर गये। ऐसे में हार्डी ने तेजी से 39 गेंदों पर नाबाद 56 रन बनाए. उन्होंने अब्दुल समद 48 रन के साथ 85 रनों की साझेदारी कर टीम को 15.2 ओवर में ही जीत दिला दी। इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड सुफियान मुकीम (पेशावर ज़ल्मी) को मिला। सुफियान ने 22 विकेट लिए। वहीं सबसे ज्यादा रन के लिए (ऑरेंज कैप) बाबर आज़म को मिली। बाबर ने सबसे अधिक 588 रन बनाये।

टी20 में सबसे धीमे शतक का रिकार्ड है स्टर्लिंग के नाम

मुम्बई,एजेंसी। टी20 किकेट में जहां बल्लेबाज तेजी से शतक पूरा करने के लिए जमकर चौक, छक्के लगाते हैं और लोगों को आतिशी खेल देखने को मिलता है। वहीं आयरलैंड के सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग इसके अपवाद है। स्टर्लिंग के नाम इस प्रारुप में सबसे धीमा शतक है। उन्होंने ये शतक साल 2021 में बनाया था जिसने प्रशंसकों को हैरानी में डाल दिया था हालांकि इसके बाद भी। उन्होंने जिम्बाब्वे के टी20 इतिहास का सबसे धीमा शतक लगाकर आयरलैंड को 40 रनों की जीत दिलाई थी।

स्टर्लिंग ने अपने शतक तक पहुँचने के लिए 70 गेंदों को खेला था। उन्होंने कुल 75 गेंदों में 115 रनों की अहम पारी खेली, जिसमें 8 चौके और इतने ही शानदार छक्के शामिल थे। यह रिकॉर्ड आज भी बना हुआ है और शायद भविष्य में कोई बल्लेबाज इसे तोड़ना पसंद न करे, क्योंकि टी20 किकेट हमेशा तेजी पर टिका है। स्टर्लिंग की इस पारी ने ये जरुर साबित किया है कि धीमी बल्लेबाजी से भी जीत संभव है। स्टर्लिंग की इस धीमी पारी से आयरलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाये। स्टर्लिंग को एंडी बालबर्नी का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने 24 गेंदों में 31 रन की पारी खेली।

अश्विन बोले, धोनी को अपनी गेंदबाजों पर रहता था पूरा भरोसा

चेन्नई ,एजेंसी। पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि जितना भरोसा उनको गेंदबाजों पर रहता था उतना किसी और में नहीं देखा है। अश्विन ने धोनी की कप्तानी कौशल के लिए नहीं, बल्कि उनकी विकेटकीपिंग और खेल के प्रति स्पष्ट सोच के लिए है। अश्विन ने स्पष्ट किया कि उन्हें स्पिनरों के सामने धोनी जैसी विकेटकीपिंग करते हुए किसी और को नहीं देखा है।

अश्विन ने कहा कि लोग धोनी की शानदार कप्तानी की बहुत तारीफ करते हैं, और उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है, लेकिन उनके लिए धोनी की दो विशेषताएं सबसे अलग हैं। पहली, एक मध्य कम के बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता, जो खेल को आखिर तक ले जाकर अनुकूल परिणाम में बदल सकते थे। और दूसरी, स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी

मेरे लिए कभी फील्डिंग नहीं सजाई

अद्भुत विकेटकीपिंग, जिसमें उन्हें कोई सानी नहीं।अश्विन ने धोनी के अपनी गेंदबाजों पर भरोसे को भी याद किया। उन्होंने बताया, धोनी ने कभी मेरे लिए फील्डिंग नहीं सजाई। मैं अपनी फील्डिंग स्वयं जमाता था। धोनी उन्हें बस एक सरल सलाह देते थे- दोहरा अनुमान मत लगाओ। पहले से कुछ मत सोचो। अगर तुम्हारी गेंद पर कोई बड़ा शॉट लगता है, तो कोई बात नहीं। अगर कोई जोखिम लेता है तो लेने दो। बस अपनी तय फील्डिंग के हिसाब से गेंदबाजी करो। इस बात से अश्विन को महसूस होता था कि धोनी को उन पर पूरा विश्वास था।

इस भरोसे और धोनी की सजगता का एक उदाहरण देते हुए अश्विन ने 2011 के आईपीएल फाइनल को याद किया, जब धोनी ने किस गेल को शून्य पर आउट करने के लिए स्टंप के पीछे एक शानदार कैच लपका था। अश्विन के अनुसार, आप मैच की रणनीति और विकेट गिरने के बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन धोनी ने जिस तरह से वह कैच पकड़ा, वह वास्तव में लाजवाब था। अश्विन ने अपने आईपीएल करियर (2009-25) में कुल 221 मैचों में 187 विकेट लिए हैं, जो उनकी लंबी और सफल यात्रा का प्रमाण है।धोनी के साथ अपने अनुभवों के अलावा, अश्विन ने अपने स्वयं के आईपीएल करियर के उतार-चढ़ाव पर भी बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि 2018-19 में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने के बावजूद, वह उस टीम के साथ पूरी तरह से जुड़ नहीं पाए। उन्होंने कहा, पंजाब ने मुझे 2018 में चुना और मैंने अपना पूरा प्रयास किया, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि मैं उस टीम को वास्तव में अपनी टीम नहीं बना पाया। कप्तान के तौर पर शायद मैंने बहुत कुछ हासिल न किया हो, लेकिन इस दौरा मुझे सीखने को बहुत कुछ मिला।हालांकि, राजस्थान रॉयल्स के साथ बिताए अपने समय को अश्विन ने सबसे संतोषजनक बताया।

पाकिस्तान कप्तान ने एशिया कप हैंडशेक विवाद पर खोला राज

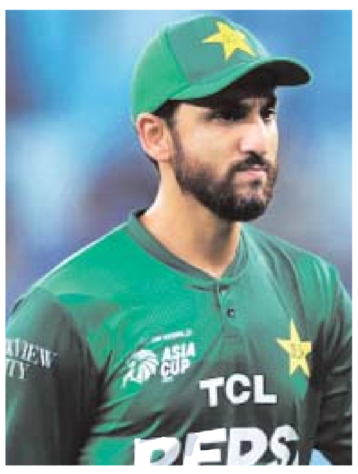

नई दिल्ली ,एजेंसी। पाकिस्तान किकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने पिछले साल एशिया कप के दौरान भारतीय टीम के साथ हुए हैंडशेक विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे उनकी टीम मैच खत्म होने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम तक हाथ मिलाने गई थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने ऐसा नहीं किया। सलमान ने याद दिलाया कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच कुल तीन भिड़ंत हुई थीं, और तीनों ही मौकों पर भारतीय टीम ने हाथ मिलाने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट से पहले हुए फोटोशूट और प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों ने निश्चित रूप से हाथ मिलाए थे।

पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले गए उस एशिया कप में, सलमान अली आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को भारत से लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय खेमे ने यह नीति पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के सम्मान में और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने के उद्देश्य से अपनाई थी। इस नीति के तहत, टॉस के समय और मैच की समाप्ति के बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ के बीच कोई हैंडशेक नहीं हुआ था, जिससे यह घटना काफी चर्चा का विषय बनी रही।

रुतुराज ने कार्तिक, कंबोज और नूर की जमकर प्रशंसा की

चेन्नई ,एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में जीत पर खुशी जतायी है। रुतुराज में मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए युवा कार्तिक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है।

रुतुराज ने कहा कि कार्तिक लंबे छक्के लगाने वाला खिलाड़ी है। इससे अलावा उन्होंने तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज और स्पिनर नर अहमद की कसी हुई गेंदबाजी की भी प्रशंसा की है। अंशुल ने 3 जबकि नूर ने 2 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में प्रमुख भूमिका निभाई। इस मैच में जीत के साथ ही सीएसके की प्लेऑफ के लिए संभावनाएं बढ़ी हैं। इस मैच में सीएसके के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई को 159 रनों पर ही रोक दिया। सीएसके ने कप्तान रुतुराज और कार्तिक के अर्धशतकों की सहायता से 11 गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 159 रन बनाये। सीएसके की ओर से कम्बोज ने तीन विकेट जबकि नूर ने दो विकेट लिए। इन गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से मुंबई की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम शुरुआत अच्छी नहीं रही। । सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन 11 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद उर्विल पटेल ने 12 गेंदों में तेजी से 24 रन बनाए। दो विकेट जल्दी गिरने के बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने शानदार साझेदारी करते हुए स्कोर को 100 के पार पहुंचाया।

रुतुराज ने अपना लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया, जबकि कार्तिक शर्मा ने आईपीएल में अपना पहला अर्धशतक बनाकर टीम की जीत तय कर दी। मैच के बाद कप्तान रुतुराज ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जतायी। उन्होंने कहा, ÷हमने शुरुआत झटकों के बाद लय हासिल की। उन्होंने अंशुल कम्बोज की तारीफ करते हुए कहा कि वह चीजों को सरल रखता है और प्रकिया पर टिका रहता है, उसका दिमाग एक बल्लेबाज की तरह सोचता है। रुतुराज ने नूर अहमद के प्रदर्शन की भी सराहना की, जिन्होंने कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए और बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

कार्तिक की मैच विजेता पारी को लेकर रुतुराज काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा, वह छक्के मारने वाला खिलाड़ी है, वह देखकर गेंदों को खेलता है। रुतुराज ने कहा कि उसके आने से टीम संतुलन बेहतर हुआ है।

विनेश ने राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में बृजभूषण से सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी

बोली, किसी भी अप्रिय घटना के लिए सरकार होगी जिम्मेदार

नई दिल्ली,एजेंसी। खेल में वापसी कर रहीं शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि गोंडा में होने वाले आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान वह अपनी और अपनी टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विनेश के अनुसार वह उन छह महिला पहलवानों में से एक हैं जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कराया था। गोंडा क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव है और ऐसे में वह उनके या उनकी टीम के खिलाफ कोई किसी प्रकार की साजिश रच सकता है। विनेश ने सरकार को चेताया है कि अगर प्रतियोगिता के दौरान कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो इसके लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार होगी।

डेढ़ साल के बाद संन्यास से वापसी कर रही विनेश ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि गोंडा में बृजभूषण का दबदबा है। उन्होंने आशंका जतायी की बृजभूषण के करीबी व्यक्ति प्रतियोगिता में गड़बड़ी कर परिणामों को बदल सकते हैं, जिसमें रेफरी की नियुक्ति, अंकों का निर्धारण और मैट चेयरमैन का चुनाव जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। विनेश ने कहा, यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृजभूषण का) काफी प्रभाव है। किसी मुकाबले में कौन रेफरी होगा, कितने अंक दिए जाएंगे, मैट चेयरमैन कौन होगा, सब कुछ उनके और उनके लोगों के नियंत्रण में है। विनेश ने कहा, मैं उन छह महिला पहलवानों में से एक हूं जिन्होंने ब्रजभूषण के शिकायत दर्ज कराई है। मामला अभी अदालत में है और गवाहों से पूछताछ चल रही है। उससे जुड़े किसी स्थान पर प्रतिस्पर्धा करना, जहां अधिकतर लोग उससे संबंधित हो सकते हैं।

फर्स्ट्-क्लास क्रिकेट में रोड्स सहित इन गेंदबाजों का रहा है खौफ

लंदन ,एजेंसी। विश्व किकेट में आजकल बल्लेबाजों का ही बोलबाला है और मैच एक प्रकार से बल्लेबाजी प्रधान हो गये हैं। वहीं गेंदबाज कमजोर पड़ते जा रहे हैं। इससे मैदान पर चौकों-छक्कों की बरसान के साथ ही बड़ी पारियां देखने को मिल रही हैं। वहीं अगर विश्व किकेट इतिहास पर गौर करें तो एक से बढ़कर एक गेंदबाज रहे हैं जिनका सामना करना बल्लेबाज के लिए खौफनाक रहा है। इन गेंदबाजों ने जिस प्रकार चाहा है बल्लेबाजों को नचाया। फर्स्ट्-क्लास किकेट में 4000 हजार से अधिक विकेट लेने वाले विलफ्रेड रोड्स सहित इन गेंदबाजों का दबदबा है।

विलफ्रेड रोड्स = इसमें सबसे ऊपर हैं विलफ्रेड रोड्स, जिन्होंने गेंदबाजी के लगभग सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। 1898 से 1930 तक 32 वर्षों के अपने शानदार करियर में, रोड्स ने कुल 1110 मैच खेले और इस दौरान उन्होंने 1,85,742 गेंदें फेंककर, मात्र 16.72 की औसत से कुल 4204 विकेट लिए। फर्स्ट्-क्लास किकेट में उनके 4204 विकेट आज भी एक ऐसा शिखर हैं, जिस तक पहुंचा भी अब संभव सा लगता है। पी. फ्रीमैन वहीं के पी. फ्रीमैन का, जिन्होंने 1914 से 1936 के बीच अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया। मात्र 592 मैचों में फ्रीमैन ने 3776 विकेट लेकर अपनी धाक जमाई। उन्होंने 1,54,658 गेंदें फेंकीं और एक पारी में 10 विकेट (10/53) लेने का अविश्वसनीय कारनामा भी किया। उनका औसत 18.42 रहा है।

आईपीएल में अब तक श्रेयस सहित छह टीमों के कप्तानों का प्रदर्शन रहा है अच्छा

मुम्बई ,एजेंसी। आईपीएल 2026 सत्र में आधे से अधिक मुकाबले हो गये हैं और अब टीमे प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपनी-अपनी दावेदारी मजबूत करने में लगी हैं। अब तक के सफर में कुछ कप्तान बेहद सफल रहे हैं। वहीं कुछ फ्लाप साबित हुए हैं। इससे इनकी टीमों पर भी प्रभाव पड़ा है। अपनी की इन 10 टीमों में अकर देखा जाये तो श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीम के कप्तान को भी लाभ हुआ है। वहीं खराब प्रदर्शन करने वाले कप्तान की टीम भी असफल रही है।

इन कप्तानों का रहा है दमदार प्रदर्शनः

श्रेयस अय्यरः इस सीजन में सबसे बेहतर प्रदर्षन करने वाले कप्तानों में पंजाब किंग्स के श्रेयस अय्यर का नाम सबसे ऊपर है। उनकी टीम ने 8 में से 7 मैच जीतकर अंक तालिक में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अय्यर ने स्वयं बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 309 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं।

रहाणे सहित चार कप्तान रहे विफल

रजत पाटीदारः डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार भी बेहतरीन फॉर्म में हैं, जिन्होंने 9 मैचों में 257 रन बनाए हैं, वो भी 200 से अधिक के आकामक स्ट्राइक रेट के साथ।

ईशान किशनः सनराइजर्स हैदराबाद ने धीमी शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है, जहां ईशान किशन ने बल्ले से 312 रन का योगदान दिया, वहीं पैट कमिंस ने कप्तानी संभालते ही टीम को टॉप-4 में बनाए रखा।

शुभमन गिलः गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल का बल्ला लगातार रन उगल रहा है, जिन्होंने 8 मैचों में 373 रन बनाए हैं, और उनकी टीम 9 में से 5 मैच जीतकर अंक तालिका में पांचवें पायदान पर है।

ऋ तुराज गायकवाड़ः ऋ तुराज गायकवाड़ पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी धीरे-धीरे लय हासिल कर रहे हैं, मुंबई के खिलाफ उनकी 74 रनों की नाबाद पारी ने उनके सीजन के कुल 245 रनों में इजाफा किया है।

रियान परागः राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है; हालांकि टीम अच्छा कर रही है, पराग ने 10 मैचों में 207 रन ही बनाए हैं, जिसमें एक 90 रनों की पारी शामिल है।

इन कप्तानों का प्रदर्शन रहा है खराबः

वहीं इस सीजन में कुछ कप्तान ऐसे भी रहे हैं, जिनका प्रदर्शन उम्मीदों से काफी नीचे रहा है और जो टीम के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं।

अजिंक्य रहाणेः इनमें कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी शामिल हैं। उनकी कप्तानी में केकेआर को शुरुआती 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। रहाणे का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा है, 8 मैचों में केवल 162 रन और 23.14 का औसत उनकी निराशाजनक फॉर्म दिखाता है।

अक्षर पटेलः दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी बल्ले और गेंद दोनों से छाप छोड़ने में नाकाम रहे हैं, उनकी टीम 9 में से 5 मैच हारकर सातवें स्थान पर है। भारतीय टी20

हार्दिक पांड्याः विश्व कप विजेता हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी इस सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। बतौर कप्तान, बल्लेबाज और गेंदबाज, वे किसी भी मोर्चे पर सफल नहीं हो पाए हैं, 8 मैचों में सिर्फ 146 रन और 4 विकेट उनकी खराब फॉर्म को बयां करते हैं।

ऋ षभ पंतः लखनऊ सुपर जायंट्स के 27 करोड़ के कप्तान ऋषभ पंत का भी फ्लॉप शो जारी है। पिछले सीजन शतक के साथ समाप्त करने वाले पंत इस बार 8 मैचों में 189 रन ही बना पाए हैं, और उनकी टीम अंक तालका में सबसे नीचे दसवें पायदान पर है।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा

शिक्षा और वेलनेस को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता स्वास्थ्य मंत्री श्रीयसवाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज रायगढ़ जिले के स्व. लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कायकम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने विभिन्न महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इन परियोजनाओं में नवीन फिजियोथेरेपी महाविद्यालय भवन, 100 बिस्तरीय मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) अस्पताल हेतु स्टाफ क्वार्टर तथा 10 बिस्तरीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र भवन का निर्माण शामिल है। फिजियोथेरेपी कॉलेज भवन के लिए 1393.71 लाख रुपये, एमसीएच अस्पताल स्टाफ क्वार्टर के लिए 393.79 लाख रुपये तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र के लिए 280.57 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और वेलनेस को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से रायगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में फिजियोथेरेपी कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिससे पैरामेडिकल शिक्षा को प्रोत्साहन मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन शैली का समग्र विज्ञान है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इसे व्यापक स्तर पर विकसित किया जाएगा, ताकि लोग प्राकृतिक तरीकों से स्वस्थ रह सकें और दवाओं पर निर्भरता कम हो। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का भूमिपूजन हुआ है, वे जिले के भविष्य को नई दिशा देने वाली हैं। उन्होंने जानकारी दी कि रायगढ़ में नर्सिंग कॉलेज, आधुनिक लाइब्रेरी, नदी तट विकास सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जो समग्र विकास को गति प्रदान करेंगी।

सुशासन तिहार में सुलझी किसान की समस्या गंगा प्रसाद के चेहरे पर लौटी मुस्कान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित 'सुशासन तिहार' आम नागरिकों, विशेषकर किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। इसका उदाहरण गौरेला-पेंड्रा- मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड की ग्राम पंचायत सेमरदर्री में आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में देखने को मिला, जहां ग्राम पंचायत नाका के किसान गंगा प्रसाद खुसरो की समस्या का त्वरित समाधान किया गया। गंगा प्रसाद खुसरो एक मेहनती और जागरूक किसान हैं। वे लंबे समय से अपनी किसान किताब में त्रुटि की समस्या से जूझ रहे थे। रिकॉर्ड में गलती होने के कारण उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा था, जिससे उनकी कृषि गतिविधियां प्रभावित हो रही थीं। कई प्रयासों के बावजूद समाधान नहीं हो पाने से वे परेशान थे। सुशासन तिहार के तहत आयोजित जन समस्या निवारण शिविर की जानकारी मिलने पर गंगा प्रसाद ने अपनी समस्या दर्ज कराई। शिविर में मौजूद राजस्व विभाग के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया और तुरंत जांच शुरू की। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर उनकी किसान किताब में मौके पर ही दुरुस्तीकरण कर दिया गया।समस्या का त्वरित समाधान होने पर गंगा प्रसाद के चेहरे पर संतोष और खुशी झलक उठी। उन्होंने कहा कि अब उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कोई परेशानी नहीं होगी और खेती-किसानी का काम सुचारु रूप से चल सकेगा। इस त्वरित कार्रवाई के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन का आभार जताया।जब शासन संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ काम करता है, तो आमजन की समस्याएं न केवल सुनी जाती हैं, बल्कि उनका समयबद्ध समाधान भी होता है। सुशासन तिहार इसी दिशा में सार्थक पहल बनकर प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत कर रहा है।

सुकमा के दुर्गम पुसगुड़ा गांव में दशकों बाद पहुँचा उजियारा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के धोर नक्सल प्रभावित और दुर्गम इलाकों में शामिल सुकमा जिले के पुसगुड़ा गांव में आखिरकार विकास का नया सूरज उगा है। वर्षों के लंबे इंतजार के बाद गांव के 106 घरों में पहली बार बिजली का कनेक्शन पहुँचा है। कोंटा विकासखंड के अंतर्गत घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे इस गांव के लिए यह महज एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरुआत है। जिला मुख्यालय से लगभग 108 किलोमीटर दूर स्थित पुसगुड़ा तक पहुँचना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। कच्चे रास्ते, ऊंची चढ़ाई और दलदली पगडंडियों के कारण यह क्षेत्र दशकों तक मुख्यधारा से कटा रहा। प्रशासन ने इस दुर्गम कार्य को शिमशन मोडश् में हाथ में लिया और विभाग की टीम ने मानव श्रम व स्थानीय सहयोग से खंभे और तार जंगलों के पार पहुँचाए। सुकमा कलेक्टर अमित कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पुसगुड़ा तक बिजली पहुँचाना प्रशासन की प्रतिबद्धता और जनहित के संकल्प की परीक्षा थी। यह केवल उजाला नहीं है, बल्कि बच्चों के भविष्य और गांव के आत्मविश्वास का नया सवेरा है। शासन की प्राथमिकता अंतिम छोर पर बसे हर गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुँचाना है। गांव की निवासी श्रीमती सुन्नम लक्ष्मी ने भावुक होते हुए कहा कि गांव में बिजली आना उनके लिए किसी चमत्कार जैसा है। अब गांव में टीवी, पंखा और मोबाइल चार्जिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी और बच्चों की पढ़ाई रात में भी सुगम हो सकेगी। वर्षों से लालटेन की मद्धम रोशनी पर निर्भर रहने वाला पुसगुड़ा अब आधुनिकता की ओर कदम बढ़ा रहा है।

रायगढ़ के राधा कृष्ण मंदिर में वित्त मंत्री ओपी चौधरी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आज रायगढ़ स्थित राधा कृष्ण मंदिर में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्रीक ओपी चौधरी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। दोनों मंत्रियों ने मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की उन्नति और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर सांसद राधेश्याम राठिया, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष दीपक म्हस्के सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चिल्फी और सरोधा दादर की प्राकृतिक सुंदरता से अभिभूत हुए वन मंत्री केदार कश्यप

भोरमदेव अभ्यारण्य के शुभारंभ पर किया प्रवास

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप ने छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित बैगा एथनिक रिजॉर्ट (सरोधा दादर) में प्रवास के दौरान राज्य के उभरते पर्यटन स्थलों की मुक्तकंठ से सराहना की। भोरमदेव अभयारण्य के शुभारंभ के अवसर पर पहुंचे मंत्री कश्यप ने यहाँ एक दिवसीय रात्रि विश्राम किया और चिल्फी घाटी सहित सरोधा दादर की मनमोहक प्राकृतिक छटा का आनंद लिया। कश्यप ने कहा कि सरोधा दादर का वातावरण इतना सुकून, शांतिपूर्ण और स्फूर्तिदायक है कि यहाँ एक दिन का प्रवास भी कम प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि यह स्थान मेडिटेशन के लिए उपयुक्त है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि यहाँ का मौसम और नैसर्गिक परिवेश मानसिक शांति, योग और ध्यान के लिए सर्वथा उपयुक्त है। पर्यटन विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि नवाचार और सतत विकास के कारण छत्तीसगढ़ अब राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। मंत्री कश्यप ने बताया कि सरोधा दादर जैसे स्थलों का विकास न केवल पर्यटन को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि स्थानीय जनजातीय संस्कृति और जीवनशैली को भी वैश्विक मंच प्रदान कर रहा है। मंत्री कश्यप ने रिजॉर्ट की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ आने वाले पर्यटकों को प्रकृति के सानिध्य में पारंपरिक जनजातीय जीवनशैली का एक अनूठा और जीवंत अनुभव प्राप्त होता है।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा

कांकेर जिले के 7 विकासखंडों में सफलतापूर्वक आयोजित हुई एन एम एम एस ई परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा (NMMSE) शनिवार को कांकेर जिले के सभी सात विकासखंडों में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा का आयोजन कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशन में किया गया। वहीं जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद एवं डीएमसी नवनीत पटेल के दिशा-निर्देशन में संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की गई। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों में विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा, अनुशासन तथा पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा गया। अधिकारियों द्वारा विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या शिकायत सामने नहीं आई, जिससे परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिला स्तर पर कुल 3886 विद्यार्थियों ने परीक्षा में शामिल होने के लिए अपना पंजीयन कराया था, जिनमें से 3600 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 286 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। अंतागढ़ विकासखण्ड में पंजीकृत 408 विद्यार्थी यह में से 381 विद्यार्थी उपस्थित एवं 27 अनुपस्थित , भानुप्रतापपुर विकासखण्ड में दर्ज 631विद्यार्थी में से उपस्थित 583, उपस्थिति एवं 48 अनुपस्थित ,चारामा विकासखण्ड में पंजीकृत 705 विद्यार्थी में से 665 उपस्थित एवं 40 अनुपस्थित , दुर्गूकोंदल विकासखण्ड में दर्ज 516 विद्यार्थी में से 501 उपस्थित एवं 15 अनुपस्थित ,कांकेर विकासखण्ड में 484 विद्यार्थी में से 461 उपस्थित एवं 53 अनुपस्थित ,कोयलीबेड़ा विकास खण्ड में दर्ज 428 विद्यार्थी में से 401 उपस्थित तथा 27 अनुपस्थित , नरहरपुर विकासखण्ड में पंजीकृत 714 विद्यार्थी में से 668 उपस्थित एवं 46 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

सुशासन तिहाआर-2026 के तहत धमतरी में शिविरों की श्रृंखला प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर,धमतरी (निप्र)। प्रदेश में 1 मई से 10 जून तक आयोजित किए जा रहे सुशासन तिहार-2026के अंतर्गत धमतरी जिले में भी व्यापक स्तर पर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। शासन की मंशानुरूप जिले के चारों विकासखंड-धमतरी, कुरूद, नगरी एवं मगरलोड-की 24 ग्राम पंचायतों को क्लस्टर के रूप में चिन्हित करते हुए समाधान शिविरों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है, जहां आम नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया जाएगा। धमतरी जिले में सुशासन तिहार -2936 अंतर्गत शिविरों की शुरुआत 4 मई से की जा रही है। प्रथम दिवस जनपद पंचायत धमतरी के ग्राम भोयना तथा जनपद पंचायत नगरी के ग्राम कुकरेल में शिविर आयोजित होंगे। प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित इन शिविरों में भोयना क्लस्टर के 21 तथा कुकरेल क्लस्टर के 17 ग्रामों के नागरिक शामिल होंगे।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मानः वित्त मंत्री श्री.पी.चौधरी ने दिया लैपटॉप व 25 हजार रुपए का प्रोत्साहन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्रीक ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश के टॉप-10 में स्थान प्राप्त करने वाले रायगढ़ जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। रायगढ़ स्थित उनके कार्यालय में आयोजित कायकम में उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें लैपटॉप, मार्गदर्शिका पुस्तक एवं 25,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की, ताकि उनकी उच्च शिक्षा में सहयोग मिल सके। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा में टॉप करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन यह केवल एक शुरुआत है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों को आईसीएसई एवं सीबीएसई जैसे अन्य बोर्डों के छात्रों के साथ भी प्रतिस्पर्धा करनी होती है, इसलिए निरंतर अध्ययन, अनुशासन, समय प्रबंधन और लक्ष्य के प्रति स्पष्टता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे इस उपलब्धि को प्रेरणा बनाकर आगे भी ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़े तथा अपने ज्ञान और कौशल का निरंतर विकास करते रहें। गौरतलब है कि रायगढ़ जिले के कुल 8 विद्यार्थियों ने प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान बनाकर जिले का गौरव बढ़ाया है। कक्षा 12वीं में कृष महंत (97.80 प्रतिशत, तृतीय स्थान), लोकनाथ मेहर (97.20 प्रतिशत, छठवां स्थान), शीतल साहू (96.80 प्रतिशत, आठवां स्थान), बबीता पटेल एवं लिसिका वर्मा (96.60 प्रतिशत, संयुक्त नौवां स्थान) तथा अंजली झा (96.40 प्रतिशत, दसवां स्थान) शामिल हैं। वहीं कक्षा 10वीं में गिरिजा प्रधान (98.33 प्रतिशत, पांचवां स्थान) एवं अहसान अली (97.83 प्रतिशत, आठवां स्थान) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मविश्वास को दिया। सीमित संसाधनों के बावजूद कठिन परिश्रम कर यह उपलब्धि हासिल करने वाले ये विद्यार्थी अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

अन्य मेधावी विद्यार्थियों को भी किया गया सम्मानितः कार्यक्रम में वित्त मंत्री चौधरी ने स्नेहा पांडा और निकिता दास को भी सम्मानित किया। स्नेहा पांडा ने सीबीएसई परीक्षा में 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि निकिता दास नेएमएससी गणित में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 79.94 प्रतिशत के साथ मेरिट सूची में छठवां स्थान हासिल किया।

जनगणना 2027 महासमुंद जिले में मकान सूचीकरण एवं भवन गणना कार्य प्रगति पर घर घर पहुंच रहे हैं

मीडिया ऑडीटर, महासमुंद (निप्र)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं भवन गणना का कार्य जिले में 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्य को समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में सतत निगरानी एवं निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में अपर कलेक्टर सचिन भुतड़ा द्वारा जिले के विभिन्न चार्जों का दौरा कर जनगणना कार्य का निरीक्षण किया गया तथा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जनगणना निदेशालय से सहायक संचालक मनोज कुमार महिलांगे एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी संजय कुमार साहू द्वारा भी जिले के सभी चार्जों का भ्रमण कर प्रगणकों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। वे प्रगणकों के साथ घर-घर जाकर भवन गणना कार्य का भी निरीक्षण कर रहे हैं। जिले में कुल 1992 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (HLBs) निर्धारित किए गए हैं, जिनमें से 1561 ब्लॉकों में कार्य प्रारंभ हो चुका है। वहीं 03 हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों में कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पूर्ण कार्यों में महासमुंद तहसील के ग्रामीण चार्ज अंतर्गत HLB-48 (जलकी), पिथौरा ग्रामीण चार्ज अंतर्गत HLB-249 (ग्राम कारीडोंगर) तथा नगर चार्ज पिथौरा के एक वार्ड का कार्य शामिल है। प्रशासन द्वारा जनगणना कार्य को सुचारू, सटीक एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के लिए निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।

रसही दवा, शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार अभियान के तहत औषधि प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायगढ़। जिले में सही दवा, शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा औषधि प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 3 मई को विभिन्न फर्मों का निरीक्षण किया गया। जांच दल द्वारा रायगढ़ में ओ.पी. जिंदल फार्मेसी, जगन्नाथ फार्मा, प्रगति इंटरप्राइजेज तथा प्राची मेडिकोज में औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के प्रावधानों के तहत वैक्सीन के सुरक्षित भंडारण, कोल्ड चेन मेंटेनेंस तथा आवश्यक अभिलेखों की जांच की गई। साथ ही एनआरएक्स (नारकोटिक/प्रतिबंधित दवाओं) से संबंधित दस्तावेजों का भी परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने संबंधित संचालकों को दवाओं के सुरक्षित भंडारण, गुणवत्ता बनाए रखने तथा शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। अभियान के तहत आगे भी जिले में नियमित निरीक्षण जारी रहेगा।

कांकेर और कोण्डागांव में पायलट प्रोजेक्ट सफल

बस्तर संभाग में श्वेत क्रांति की दस्तक- डेयरी व्यवसाय से संवर रही महिलाओं की आजीविका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर संभाग में स्वरोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से डेयरी व्यवसाय को मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (छक्कठ) के सहयोग से कांकेर और कोण्डागांव जिले में पायलट परियोजना संचालित की जा रही है, जिसका मुख्य केंद्र जनजातीय महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना हपायलट प्रोजेक्ट की प्रगति

उल्लेखनीय है कि इस महत्वाकांयोजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री साय ने 01 जून 2025 को कोण्डागांव जिले के ग्राम भोंगापाल से किया था। वर्तमान में कोण्डागांव और कांकेर के 125 हितग्राहियों को दुधारू पशु उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। अब तक 47 महिलाओं के ऋण आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं, जिनमें से 24 महिलाओं को 36 उच्च नस्ल के पशु वितरित किए जा चुके हैं। हितग्राहियों को राजस्थान और पंजाब से विशेष रूप से चयनित साहीवाल नस्ल की गायें दी जा रही हैं, जिनकी क्षमता 8-10 लीटर दूध प्रतिदिन है।

दूध संकलन और भविष्य का रोडमैपः छत्तीसगढ़ दुग्ध महासंघ द्वारा वर्तमान में बस्तर संभाग की 95 दुग्ध समितियों के माध्यम से प्रतिदिन 15,060 लीटर दूध का संकलन किया जा रहा है। आगामी 5 वर्षों के लिए विभाग ने बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। 400 नए गांवों को दुग्ध समितियों से जोड़ा जाएगा, जिससे 9,000 नए दुग्ध प्रदायक जुड़ेंगे। क्षमता वृद्धि के तहत प्रतिदिन 48 हजार लीटर दूध संकलन का लक्ष्य रखा गया है। बस्तर जिले में 1 लाख लीटर क्षमता का नवीन दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र और 28,000 लीटर क्षमता के शीतलीकरण केंद्रों की स्थापना की जाएगी।

वित्तीय सहायता और बैंक समन्वयः योजना को सरल बनाने के लिए राज्य सरकार 2 दुधारू पशुओं की लागत (1.40 लाख रुपये) पर 50त्न अनुदान (70,000 रुपये) दे रही है। शेष राशि में 40त्न बैंक ऋण और मात्र 10त्न हितग्राही अंशदान शामिल है। ऋण प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु दुग्ध महासंघ ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक (ब्ल्ठ) के साथ एमओयू (डव्न्) किया है, जो रियायती दरों पर 4 साल के लिए ऋण उपलब्ध करा रहा है।

निःशुल्क सहायता और तकनीकी प्रशिक्षणः हितग्राहियों को एक वर्ष तक विशेष सहायता दी जा रही है, जिसमें शामिल हैं। पशु बीमा और स्वास्थ्य निगरानी उपकरण भी प्रदाय किए जाएंगें। प्रतिदिन 5 किलो साइलेज, 2 किलो पशु आहार और खनिज मिश्रण भी प्रदाय किए जाएंगें। वैज्ञानिक पशु प्रबंधन पर प्रशिक्षण और पशु चिकित्सा विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सिलमा के जन चैपाल में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, अम्बिकापुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सरगुजा प्रवास के दौरान सुशासन तिहार के अंतर्गत बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा में आयोजित जन चैपाल कायकम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन का जानकारी ली और प्राप्त आवेदनों पर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री की संवेदनशीलताः मौके पर ही मिली राहतः जन चैपाल के दौरान ग्राम सुआरपारा निवासी राजेश शुक्ला ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी आर्थिक कठिनाइयों को रखते हुए बिजली बिल समाधान और आर्थिक सहयोग के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने आवेदन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए शुक्ला को आश्वस्त किया कि उनकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए बिजली बिल माफ करने की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी और शासन की ओर से हरसंभव आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा